राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 75 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,16 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए भारत सरकार ने उठाए कई कदम, विकास में 20 फीसदी का उछाल : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित 'इंडो-यूएस इकोनॉमिक समिट' में हिस्सा लिया. वह इस समिट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए शामिल हुए. उन्होंने कहा, कोविड-19 के कारण दुनिया भर में औद्योगिक गतिविधि, ट्रेवल और टूरिज्म सेक्टर में लगभग एक ठहराव आ गया है. उन्होंने कहा, यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब पूरी दुनिया वैश्विक महामारी के साथ-साथ कई आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है. उन्होंने आगे कहा, भारत में अब तक 75 करोड़ से अधिक टीकाकरण किए जा चुके हैं. हम जल्द ही 100 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा पार करेंगे.

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत सरकार की तरफ से ऐसे कदम उठाए गए हैं जिसने आर्थिक गतिविधियों को फिर से पटरी पर लाने का काम किया है. पिछले साल जहां विकास में 24 फीसदी की कमी देखी गई थी वहीं इस साल की पहली तिमाही में 20 फीसकी का उछाल देखा गया है.

राजनाथ सिंह ने कहा कि शीत युद्ध के बाद के युग में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग मजबूत हुआ. यह सहयोग आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध के दौरान और भी मजबूत हुआ. इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा कि विदेशी ओईएम 'मेक इन इंडिया' अवसर को भुनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम या प्रौद्योगिकी समझौते के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से या भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी कर सकते हैं. राजनाथ सिंह ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार सहयोग के लिए खरीदार-विक्रेता संबंध से अधिक सार्थक और टिकाऊ आर्थिक और व्यावसायिक सहयोग की ओर बढ़ने का समय आ गया है.

इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा था कि दुनिया में हर जगह अनिश्चितता है और अफगानिस्तान में मौजूदा घटनाक्रम इसका एक उदाहरण है. राजनाथ सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइल एमआरएसएएम को भारतीय वायुसेना में शामिल करने के लिए राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था, ''चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, हिंद महासागर क्षेत्र, हिंद-प्रशांत क्षेत्र या पश्चिम एशिया हो, हम हर जगह अनिश्चितता देख सकते हैं.

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया निर्णय

टेलीकॉम कंपनियों को राहत देते नौ बड़े ढांचागत सुधार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने भारी वित्तीय बोझ से दबे दूरसंचार क्षेत्र को चौथी और पांचवी पीढ़ी की दूरसंचार सेवाओं के लिए तैयार करने के उद्देश्य से बुधवार को नौ बड़े ढांचागत सुधार करने का निर्णय लिया जिसमें टेलीकॉम कंपनियों के सकल समायोजित राजस्व (एजीआर) की परिभाषा को तर्कसंगत बनाने, दूरसंचार कंपनियों को सांविधिक बकायों के भुगतान के लिए चार वर्ष की छूट के साथ दस वर्ष का समय देने और अब स्पेक्ट्रम का आवंटन 20 वर्ष के बजाय 30 वर्षों के लिए करना शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ये निर्णय लिये गए। सरकार ने इस क्षेत्र के लिए नौ ढांचागत सुधार और पांच प्रक्रियागत सुधारों को मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि एजीआर को तर्कसंगत बनाया जाएगा। इससे गैर टेलीकॉम राजस्व को अलग किया जाएगा। इसके साथ ही दूरसंचार कंपनियों को 4 जी और 5 जी जैसी प्रौद्योगिकियों में निवेश करने और इसके लिए टावर आदि लगाने में मदद के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के शुल्कों और स्पेक्ट्रम चार्ज आदि के भुगतान में चार वर्षों की राहत देने का निर्णय लिया गया है। हालांकि इसके लिए कंपनियों को एमसीएलआर पर दो प्रतिशत अधिक ब्याज का भुगतान करना पड़ेगा।

टेलीकॉम लाइसेंस शुल्कों, स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क और अन्य सभी शुल्कों पर लगने वाले भारी ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज को भी तर्कसंगत बनाने का निर्णय लिया है। पहले इसकी गणना मासिक चक्रवृद्धि ब्याज के आधार पर होती थी जिसे अब वार्षिक करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त जुर्माने को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है, लेकिन ये सभी निर्णय पूर्ववर्ती तिथि से प्रभावी नहीं होंगे। ये सभी वर्तमान तिथि से मान्य होंगे।

ऑटो-ड्रोन समेत इन सेक्टरों को केंद्र की बड़ी सौगात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में पिछले डेढ़ साल से अधिक से कोरोना वायरस का खतरनाक काल चल रहा है। ऐसे में बड़े-बड़े क्षेत्र आर्थिक मंदी से जूझ रहे है, इनका समाधान निकालते हुए केंद्र सरकार ने इन सभी सेक्टरों को कुछ हद तक राहत प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ऑटो, ऑटो कलपुर्जा और ड्रोन उद्योग के लिए 26,058 करोड़ रुपए की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी। पीएलआई योजना भारत में उन्नत ऑटोमोटिव तकनीक की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विकास को प्रोत्साहित करेगी।

4जी - 5जी के लिए विश्वस्तरीय देसी तकनीक बनाएगा भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत ने दूरसंचार क्षेत्र में बड़े सुधारों को मंजूरी देने के साथ ही 4 जी एवं 5 जी प्रौद्योगिकी के बीच सेतु की तरह काम करने वाली 'रेडियो एक्सेस तकनीक' को देश में डिजाइन करने एवं उसका विनिर्माण करके विदेशों में निर्यात करने का भी फैसला किया है। संचार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी के साथ ही कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में सुधारों से टेलीकॉम ऑपरेटरों के पास 5 जी प्रौद्योगिकी में निवेश करने के लिए पूंजी का प्रवाह सुलभ हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन एवं संकल्प के अनुरूप यह भी निर्णय हुआ है कि 4जी एवं 5जी प्रौद्योगिकी को जोड़ने वाली रेडियो एक्सेस तकनीक देश में ही डिजायन की जाएगी और उसका विनिर्माण होगा। श्री वैष्णव ने कहा कि भारत की इस तकनीक को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा और उसे अन्य देशों को निर्यात भी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि दूरसंचार के क्षेत्र में सुधारों से इस उद्योग को दबाव से मुक्ति एवं गति मिलेगी तथा निवेश का चक्र सुधरेगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने स्पष्ट किया कि टेलीकॉम कंपनियों के बकाये के भुगतान के लिए चार साल की मोहलत मिलने से सरकार के राजस्व पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इस अवधि पर कंपनी को ब्याज भी देना होगा जो पहले की तुलना में दो प्रतिशत कम होगा।

एक नज़र...

जेईई मेन 2021 परीक्षा का परिणाम जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल टेस्ट एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2021 के नतीजे जारी कर दिए जिसमें कुल 44 उम्मीदवारों को 100 फीसदी अंक मिले हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों की और से मंगलवार देर रात यह जानकारी दी गई है। कुल 44 उम्मीदवारों को सौ फीसदी अंक मिले हैं जबकि 18 उम्मीदवारों को टॉप रैंक मिला है। उन्होंने कहा कि टॉप करने वाले 18 उम्मीदवारों में आंध्र प्रदेश से चार, राजस्थान से तीन, दिल्ली से दो, उत्तर प्रदेश से दो, तेलंगाना से दो, महाराष्ट्र से एक, पंजाब से एक, चंडीगढ़ से एक, बिहार से एक और कर्नाटक से एक छात्र शामिल है।

दिलीप कुमार का ट्विटर अकाउंट हुआ बंद

मुंबई, (एजेंसी) ।बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का ट्विटर अकाउंट बंद करने का फैसला किया गया है। ये सायरा बानो की सहमति से लिया गया है। दिलीप कुमार का 7 जुलाई को निधन हो गया था। अब उनके फैमिली फ्रेंड फैसल फारूकी ने जानकारी दी है कि दिलीप कुमार का ट्विटर अकाउंट बंद करने का फैसला किया गया है। दिलीप कुमार के ट्विटर हैंडल से फैसल फारूकी ने दिवंगत अभिनेता की तस्वीर शेयर की है। इसके साथ लिखा है, काफी चर्चा और विचार-विमर्श के बाद सायरा बानो जी की सहमति से मैंने प्रिय दिलीप कुमार साहब के इस ट्विटर अकाउंट को बंद करने का फैसला किया है।

दिल्ली में पटाखों की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण पर काबू करने के उपायों के तहत इस बार भी इस बार भी दिवाली पर हर तरह के पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट में बताया कि तीन सालों से दिवाली के समय दिल्ली के प्रदूषण की खतरनाक स्थिति को देखते हुए हर प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। पिछले साल व्यापारियों द्वारा पटाखों के भंडारण के पश्चात प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए पूर्ण प्रतिबंध लगाया था, जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ था।

राष्ट्रपति कोविंद का शिमला दौरा आज

शिमला, (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के 16 सितंबर को हिमाचल प्रदेश के दौरे को देखते हुए राजधानी शिमला में सुरक्षा के चाक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं ।पूरा शहर छावनी में तब्दील हो गया है। शहर में चप्पे-चप्पे पर हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात हैं। अनाडेल से लेकर राष्ट्रपति के ठहरने के स्थल सिसिल होटल तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सेना का पहरा लग गया है। श्री कोविंद गुरुवार को 12 बजे सेना के विमान से यहां अनाडेल पहुंचेंगे और सीधे होटल जाएंगे। वह 17 को पूर्वाह्न 11 बजे विधानसभा पहुंचेंगे और हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व के स्वर्णजयंती वर्ष पर विशेष सत्र को संबोधित करेंगे।

पीके ने प्रियंका को दी चुनाव लड़ने की सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस की उप्र प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को सलाह दी है कि राज्य में कांग्रेस की मजबूती के लिए उन्होंने जिस तरह से मेहनत की है उसको परिणाम में बदलने के वास्ते उन्हें विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहिए। लखनऊ में कार्यकर्ताओं की बैठक में फीडबैक लेने के बाद तथा परिवार की परंपरागत संसदीय सीट रायबरेली और अमेठी दौरा करने के बाद जो उत्साह उन्हें लोगों में देखने को मिला है उसको ध्यान में रखते हुए वह विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमत हो सकती हैं।

पाकिस्तान को अंदरूनी मामलों पर टिप्पणी करने का हक नहीं

भारत ने यूएनएचआरसी में लगाई फटकार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में कश्मीर मुद्दा उठाने पर पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की बुधवार को आलोचना की। भारत ने कहा कि ओआईसी ने लाचार होकर खुद पर पाकिस्तान को हावी हो जाने दिया।

यूएनएचआरसी के 48 वें सत्र में भारत ने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर एक ऐसा देश करार दिया गया है जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों सहित अन्य आतंकवादियों को राजकीय नीति के तहत खुल कर समर्थन करता है, प्रशिक्षण देता है, वित्त पोषण करता है और हथियार मुहैया करता है। जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव पवन बाधे ने भारत की ओर से यह कहा। उन्होंने पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा कश्मीर पर की गई टिप्पणी का जवाब देने के भारत के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कहा कि उसे (भारत को) पाकिस्तान जैसे नाकाम मुल्क से सबक सीखने की जरूरत नहीं है, जो आतंकवाद का केंद्र है और मानविधकारों का घोर हनन करता है।

बाधे ने कहा कि भारत के खिलाफ अपने झूठे और दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार का यूएनएचआरसी के मंच का दुरुपयोग करने की पाकिस्तान की आदत सी हो गई है। उन्होंने कहा कि परिषद पाक के कब्जे वाले क्षेत्रों सहित पाकिस्तान के अन्य इलाकों में उसकी सरकार द्वारा किए जा रहे मानवाधिकारों के घोर हनन की ओर से ध्यान भटकाने की कोशिशों से वाकिफ है। जीवंत लोकतंत्र भारत को कोई सबक सीखने की जरूरत नहीं है।

ट्रिब्यूनल नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में ट्रिब्यूनल के पदों पर नियुक्तियों के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने सरकार से दो हफ्तों में सभी नियुक्तियों से जुड़ी जानकारी मांगी है, साथ ही सरकार के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का केस चलाने की चेतावनी भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि जब कमेटी द्वारा कैंडिडेट के नामों को सुझाया गया है, तब अबतक इन पदों पर नियुक्ति क्यों नहीं हो पाई है। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने सुनवाई के दौरान कहा कि सरकार द्वारा चेरी पिक की नीति से नियुक्ति की गई है। अगर पहले ही चिन्हित लोगों की लिस्ट तैयार की गई है, तब वेट लिस्ट से क्यों चुना गया है।

अवमानना का केस चलाने की चेतावनी

सरकार की ओर से जवाब दिया कि केंद्र सरकार को अपने अनुसार नियुक्ति करने का अधिकार है। हालांकि, चीफ जस्टिस (सीजेआई) ने साफ किया कि कमेटी द्वारा 41 लोगों का नाम सुझाया गया, लेकिन 18 की ही नियुक्ति हुई है। हमें ये भी नहीं पता कि किस आधार पर लोगों को चुना गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आपत्तियों पर एडवोकेट जनरल (एजी) ने कहा कि सरकार के पास अधिकार है कि वह सभी सुझावों को ना माने। चीफ जस्टिस ने इस दौरान कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जो संविधान के मुताबिक चलता है।

टीएमसी सांसद अर्पिता ने रास से दिया इस्तीफा

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीएमसी से सांसद अर्पिता घोष ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। जिसके बाद बुधवार को उनका इस्तीफा राज्यसभा के सभापति द्वारा स्वीकार कर लिया गया। इस संबंध में संसदीय प्रधान सचिव पीपीके रामाचार्युलु की ओर से पत्र भी जारी किया गया है। राज्यसभा सचिवालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

घोष उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें हाल ही में संपन्न संसद सत्र में राज्यसभा में हंगामे के दौरान निलंबित कर दिया गया था, जहां सांसद और मार्शल दोनों कथित रूप से घायल हो गए थे। राज्यसभा में हाल ही में उस वक्त तनाव की स्थिति बन गई थी जब सदन में जबरन घुसने कोशिश कर रहे टीएमसी के निलंबित सांसद के हाथों दरवाजे का कांच टूट गया। इस प्रकरण में छह सांसदों को अनुचित आचरण के लिए सदन से एक दिन के लिए निलंबित किया गया था।

यूपी में तीन आतंकियों के बाद उनके तीन साथी भी एटीएस ने पकड़े

लखनऊ, (एजेंसी)। एटीएस ने अन्य जांच एजेंसियों के सहयोग से मंगलवार को उप्र के कई शहरों से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया। लखनऊ, प्रयागराज और रायबरेली से आईएसआई की फंडिंग से संचालित माड्यूल से जुड़े तीन आतंकियों के पकड़े जाने के बाद एटीएस ने उनके तीन सहयोगियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

वारदात की फिराक में थे

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि कुछ इनपुट मिले थे, जिसके बाद एटीएस ने मंगलवार को लखनऊ, प्रयागराज, ऊंचाहार (रायबरेली) और प्रतापगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इनमें रायबरेली के ऊंचाहार से मूलचंद, लखनऊ के आलमबाग से मु.आमिर जावेद और प्रयागराज के करेली निवासी जीशान कमर को पकड़ा गया, जिसके बाद उनके तीन अन्य साथियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इनमें एक युवक प्रयागराज व एक युवक लखनऊ से हिरासत में लिया है।

पंजाब से भी चार आतंकियों को दबोचा

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने पिछले महीने एक ऑयल टैंकर को आईडी टिफिन बम की मदद से उड़ाने की साजिश के मामले में चार आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल 8 अगस्त को अजनाला में एक पेट्रोल पंप पर एक लावारिस ऑयल टैंकर में आग लगी थी। पुलिस जांच में पता चला की टैंकर में जान कर कुछ संदिग्ध मेटेरियल फिट किया था, जिससे विस्फोट हुआ। आतंकियों ने बड़ा विस्फोट करने की तैयारी की थी। मामले में बुधवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

भारतीय इलाके में घुसे 12 पाकिस्तानी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय तटरक्षक बल ने बुधवार को बताया कि उन्होंने भारतीय सीमा में घुसे पाकिस्तानी नौका को पकड़ा है। पाकिस्तान की तरफ से आए इस बोट पर 12 लोग सवार थे। गुजरात सीमा के पास घुसपैठियों पर नजर रखने वाली भारतीय जहाज राजरत्न ने अपने सर्विलांस मिशन के दौरान पाकिस्तानी जहाज अल्लाह पावावाकल का पता लगाया। तटरक्षक बल के जवानों ने तुरंत इस जहाज को कब्जे में लिया।

देश में सिंगल डोज स्पुतनिक लाइट वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली। देश में कोरोना के खिलाफ लड़ाई और तेज हो गई है। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने भारत में रूस की स्पुतनिक लाइट वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल की इजाजत दे दी है। मालूम हो कि यह सिंगल डोज वैक्सीन है जिसके बाद दूसरे डोज की जरूरत नहीं होगी। भारत में अभी जितनी भी वैक्सीन लगाई जा रही हैं उनकी दो डोज लगवानी पड़ती है।

मेडिकल जर्नल द लैंसेट में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन के बाद यह मंजूरी दी गई है। इस अध्ययन में पाया गया है कि स्पुतनिक लाइट ने कोविड-19 के खिलाफ 78.6 से 83.7 फीसद की प्रभावकारिता दिखाई है। यह दो डोज वाले अधिकांश टीकों की तुलना में काफी अधिक है। इस साल जुलाई में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने स्पुतनिक-लाइट के आपात इस्तेमाल को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था।

इसके बाद औषधि नियामक ने भी स्पूतनिक लाइट के आपात इस्तेमाल को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। यही नहीं देश में इस वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल की आवश्यकता को भी खारिज कर दिया गया था। उस समय विशेषज्ञ समिति ने कहा था कि स्पुतनिक लाइट के घटक भी स्पुतनिक-वी के समान है। अब स्पुतनिक लाइट वैक्सीन के ट्रायल को मंजूरी मिलने से कोरोना के खिलाफ एक और हथियार के मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

इस बीच रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष ने कहा है कि दो डोज वाली रूसी स्पुतनिक-वी वैक्सीन ने बेलारूस में कोरोना के खिलाफ 97.2 फीसद प्रभावकारिता दिखाई है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक जारी बयान में कहा गया है कि जनवरी और जुलाई 2021 के बीच टीकाकरण के 860,000 से अधिक लोगों के आंकड़ों के आधार पर स्पुतनिक-वी की यह प्रभावशीलता मापी गई। जारी बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े भी स्पुतनिक-वी की उच्च सुरक्षा की तस्दीक करते हैं।

ग्राहकों को धोखाधड़ी से निपटने के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आधार समर्थित भुगतान प्रणाली (एईपीएस) के माध्यम से होने वाले लेनदेन में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी को रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

एनपीसीआई की बुधवार को जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि यह दिशानिर्देश एईपीएस के जरिये होने वाले लेनदेन में धोखाधड़ी को रोकने और ऐसे लेनदेन के संबंध में सदस्यों की वित्तीय देयता निर्धारित करने के लिए व्यापक प्रक्रिया प्रदान करता है। यह प्रक्रिया बैंक या उसके बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी), एजेंट या ग्राहक सेवा केंद्र संचालक (सीएसपी) की सभी त्रुटियों की पहचान करने में मददगार होगी, जिसकी वजह से एईपीएस समर्थित लेनदेन में धोखाधड़ी हुई है। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि यदि राशि जमा लेने वाले बैंक या उसके बीसी, एजेंट या सीएसपी द्वारा धोखाधड़ी या त्रुटि की गई है तो वह बैंक ऐसी धोखाधड़ी या त्रुटि की जिम्मेदारी स्वीकार करेगा और राशि निर्गत करने वाले बैंक को लेनदेन की गई राशि वापस करेगा।

धोखाधड़ी हुई तो बैंक को वापस करना होंगे पैसे

संसदीय लोकतंत्र से लोगों को जोड़ेगा संसद टीवी :पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर नए संसद टीवी चैनल का लोकार्पण किया।

पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह टीवी चैनल देश के युवाओं एवं अन्य लोगों को संसदीय लोकतंत्र से अधिक मजबूती से जोड़ने व उन्हें नागरिकों के कर्त्तव्य का बोध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में इस चैनल को इन तीनों विभूतियों ने संयुक्त रूप से रिमोट का बटन दबा कर जनता को समर्पित किया। उन्होंने आशा जताई कि नया टीवी चैनल संसद से लेकर ग्राम पंचायत तक देश के लोकतंत्र के स्वरूप एवं कार्यप्रणाली से आमजन को परिचित कराने के साथ ही दुनिया भर के लोकतंत्र के मॉडलों से भी जनसामान्य को अवगत कराएगा।

टाइम मैग्जीन | प्रभावशाली लोगों की सूची में ममता बनर्जी और अदार पूनावाला, मुल्ला बरादर भी

100 प्रभावशाली लोगों की सूची में पीएम मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जानी-मानी पत्रिका टाइम ने साल 2021 के लिए सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की सूची जारी कर दी है। मैग्जीन ने दुनिया के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीरम इंस्टीच्यूट के सीईओ अदार पूनावाला को भी जगह दी गई है। मैग्जीन ने 100 प्रभावशाली लोगों की इस सूची को छह कैटेगरी में बांटा है।

इन कैटेगरियों में नेता, कलाकार, पायनियर, आइकन, टाइटन और अन्वेषक शामिल हैं। इन सभी कैटेगरियों में दुनिया भर से अलग-अलग लोगों को शामिल किया गया है। टाइम मैग्जीन की इस सूची को सबसे शक्तिशाली और भरोसेमंद सूची माना जाता है। मैग्जीन के एडिटर इस सूची को तैयार करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को इसमें शामिल किया जाता है उनके बेहतरीन कामों को मद्देनजर रखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया जाता है। टाइम मैगजीन में भारतीय-अमेरिकन पत्रकार फरीद जकारिया ने लिखा कि जब नरेंद्र मोदी चुने गए थे तब कई लोगों ने यह सोचा कि भारत में सामाजिक पिछड़ापन आ जाएगा। लेकिन उन्होंने बड़ी एकाग्रता के साथ कुछ अलग किया। वो देश को हिंदू राष्ट्रीयता की तरफ ले गए। ममता बनर्जी के बारे में बरखा दत्त ने लिखा कि 2 मई को ममता बनर्जी नरेंद्र मोदी के विस्तारवादी टारगेट के सामने दीवार बन कर खड़ी हो गईं। बरखा दत्त ने आगे लिखा कि भारतीय राजनीति में दूसरी अन्य महिलाओं की तरह ममता बनर्जी की छवि कभी किसी की पत्नी, मां, बेटी या सहयोगी के तौर पर नहीं रही। वो गरीबी में रहकर आगे बढ़ीं। ममता बनर्जी के बारे में कहा जाता है कि वो तृणमूल कांग्रेस को लीड नहीं करती हैं बल्कि वहीं टीएमसी हैं। स्ट्रीट-फाइटर की छवि ममता बनर्जी की रही है। पत्रकार अभिष्यंत किदनगूर ने लिखा कि पूनावाला ने मार्च में मुझसे कहा अगर इतिहास उनके कामों को जज करे तो उन्हें किसी तरह का कोई मलाल नहीं है। इस साल उनके साथ कई समस्याएं आईं। पुणे में उनके प्लांट में आग लग गई। भारत के पास कच्चे माल की कमी थी। लेकिन उन्होंने बेहतरीन काम किया। सूची में तालिबान के आतंकी मुल्ला बरादर का नाम भी है।

सार समाचार

विदेशी पर्यटकों का रात भर इटली में रुकना 2020 में लगभग 55 प्रतिशत कम

रोम। महामारी वर्ष 2020 के दौरान इटली के पर्यटन उद्योग के लिए अंतिम आधिकारिक आंकड़े आने वाले हैं और देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसएटीएटी) के अनुसार, कोरोनावायरस से जो गिरावट आई है, वो प्रबल है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसटीएटी द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी आगंतुकों के रात भर ठहरने में पिछले साल 54.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। घरेलू पर्यटकों के रात में प्रवास में कम गिरावट आई, लेकिन 2019 की तुलना में अभी भी 32.2 प्रतिशत की कमी आई है। सभी ने बताया, आईएसटीएटी ने अनुमान लगाया कि विदेशी पर्यटकों ने पिछले साल इटली में 23.7 अरब यूरो (28.1 अरब डॉलर) खर्च किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35 अरब यूरो कम है। पिछले साल पर्यटन में गिरावट अकेले 2020 में अतिरिक्त मूल्य में लगभग एक चौथाई गिरावट के लिए जिम्मेदार थी। मार्च 2020 में कोरोनावायरस महामारी ने इटालियन पर्यटन पर व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया, जिसका मतलब है कि पहले दो महीने पिछले वर्षों से कम या ज्यादा ट्रैक किए गए स्तर। जून और अगस्त के बीच थोड़ी रिकवरी भी हुई, जब यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी गई और कोरोनावायरस संक्रमण दर कम हुई। लेकिन मार्च और मई के बीच और सितंबर और वर्ष के अंत के बीच की अवधि उस चिंगारी के लिए पर्याप्त थी जिसे आईएसटीएटी ने पर्यटन खर्च में भारी गिरावट कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह क्षेत्र 2021 में ठीक हो रहा है, हालांकि यह अभी भी 2019 के स्तरों से कम है, इसका मुख्य कारण यूरोप के बाहर के प्रमुख बाजारों से कम संख्या में आवक है।

पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर ने राकापोशी में फंसे 3 पर्वतारोहियों को बचाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के एक हेलीकॉप्टर ने बुधवार सुबह राकापोशी पर्वत से एक पाकिस्तानी समेत तीन फंसे हुए पर्वतारोहियों को बचाया। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के वाजिदुल्ला नगरी नाम के एक पर्वतारोही और चेक गणराज्य के दो पर्वतारोही पिछले पांच दिनों से पहाड़ पर 6,900 मीटर की ऊंचाई पर फंसे हुए थे। उपायुक्त नागर जुल्करनैन खान ने ट्विटर पर पुष्टि की कि तीनों पर्वतारोहियों को सेना ने बचा लिया है। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों को गिलगित में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके साथ ही खान ने फंसे पर्वतारोहियों की जान बचाने के लिए पाकिस्तानी सेना को धन्यवाद दिया। पर्वतारोहियों को बचाने के लिए हेलीकॉप्टर रविवार को हुंजा पहुंचे थे और उन्हें वापस लाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया था।

शीर्ष अमेरिकी जनरल ने अफगानिस्तान से पूर्ण वापसी का विरोध किया था

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के पूर्व कमांडर ने मंगलवार को सीनेटरों से कहा कि उन्होंने देश से पूरी तरह से वापसी का विरोध किया था और पेंटागन के नेतृत्व को अपने पक्ष के बारे में सलाह दी। सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के शीर्ष रिपब्लिकन ने जनरल के साथ बंद कमरे में ब्रीफिंग के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, जेम्स इंहोफे(आर-ओकला) ने कहा, जुलाई तक अफगानिस्तान में अमेरिकी और नाटो सैनिकों की कमान संभालने वाले जनरल स्कॉट मिलर ने समिति के सदस्यों को बताया कि उन्होंने रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले और यूएस सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेंजी को सूचित किया था कि वह कुल निकासी के विरोध में थे। इंहोफे ने रिपब्लिकन कमेटी के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्पष्ट रूप से, राष्ट्रपति बाइडन दी गई सभी सैन्य सलाह को नहीं सुना। रिपोटरें ने पहले संकेत दिया है कि सैन्य नेतृत्व ने निजी तौर पर बिडेन को अफगानिस्तान से पूर्ण वापसी के खिलाफ सलाह दी थी। लेकिन मंगलवार की ब्रीफिंग ने 2019 के बाद से समिति के समक्ष मिलर की पहली उपस्थिति को चिह्नित किया।

तालिबान में महिलाओं के बने दो गुट! पहला कर रहा 'हिजाब' का समर्थन, दूसरे के लिए आजादी बड़ी

काबूल।एक आजाद इंसान को क्या पहनना है यह पूरी तरह से उसकी पसंद ना पसंद पर निर्भर करता है। अगर किसी समाज या शासन के द्वारा कपड़े पहनने का चयन किया जाता है तो यह गुलामी है। व्यक्ति के शरीर से जुड़ी चीजों का वह खुद निर्णय ले सकता है। इस समय तालिबान में महिलाओं की स्थिति को लेकर गरम बहस चल रही है। पूरे विश्व में महिलाओं को लेकर तालिबान के रवैये की अलोचना की जा रही है। लोगों को चिंता है कि तालिबानी एक बार फिर अफगान महिलाओं पर अपने जुल्मों की दास्तान को दोहराएंगे। तालिबान ने 20 साल पहले महिलाओं पर ऐसे जुल्म किए जिससे सुनकर आपकी रूह कांप जाएगी। अब 20 साल बाद जब अमेरिकी सेना ने पूरी तरह से अफगानिस्तान को छोड़ दिया तो तालिबानियों ने फिर वापसी की और सरकार का गठन किया।

शरिया कानून का होगा पालन

तालिबानी सरकार के अनुसार देश में इस्लाम के शरिया कानून को अपनाया गया है और इसी के अनुसार देश का शासन चलाया जाएगा। शरिया कानून महिलाओं की पाबंदियों को लेकर काफी सख्त है। तालिबान के राज में पहले ही स्कूल में महिला और पुरुषों की कक्षा को अलग-अलग कर दिया गया था। अब महिलाओं के पहनावे को लेकर काफी तर्चा है। जैसा कि शरिया में माना जाता है कि महिलाओ को इतना ढककर रहना चाहिए कि शरीर का एक हिस्सा भी दूसरा मर्द न देख सके। इसके लिए हाथों में दस्ताने, पैरों में जुर्राबें और सिर से लेकर पैर की आखिरी उंगली तक लंबा हिजाब ही औरतों को पहनना चाहिए। इसके अलावा कई नियम है जो महिलाओं की आजादी ता विरोध करते हैं।

भारत और अर्मेनिया की सेना ने एक साथ दुश्मन पर बोला धावा, पुतिन ने की समीक्षा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और अर्मेनिया की सेना दुश्मन पर भावा बोलती नजर आई। बाकी देशों की सेना बम बरसाने में जुटी है। हालात ऐसे हो गए कि धरती कांपने लगी। वहीं दुश्मन के दिल पर दहशत साफ नजर आ रही है। पूरे हालात की समीक्षा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खुद करते दिखे। दरअसल, ये किसी वॉर की कहानी नहीं बल्कि अभ्यास का हाले-बयां है। दरअसल, रूस के नोवोग्राड क्षेत्र में भारत समेत 17 देशों की सेनाएं जैपाड सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रही हैं। भारतीय सेना समेत बाकी देशों की सेना यहां पर बम बरसाने में जुटी है। सैन्य अभ्यास की वजह से हालात ऐसे हैं कि धरती कांप रही है और दुश्मन के दिल पर दहशत साफ नजर आ रही है। एक तरफ जहां रूसी सेना अपने अलट्रा मॉर्डन वेपन से दुनिया के सामने अपनी ताकत दिखा रही है। वहीं भारतीय सेना के नागा रेजमेंट के जवान दुश्मन को हराने के लिए एक से बढ़कर एक कारनामे कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैपाड सैन्य अभ्यास को देखने के लिए पहुंचे। ऐसे में इस सैन्य अभ्यास के महत्व को समझा जा सकता है।

भारत ने नागा रेजमेंट के 200 जवानों को रूस भेजा

रूस के निजनी-नोवोग्राड इलाके में चल रही जैपाड एक्सरसाइज (3-16 सितंबर) है जिसमें भारतीय सेना के जवान अपना दमदार प्रदर्शन दिखा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक भारतीय जवानों ने प्लेन जंप, स्पेशल हेलीकॉप्टर ऑपरेशन और डिफेंसिव एक्शन में हिस्सा लिया। ये देख पाकिस्तान और चीन में चिंता की लहर है और दोनों देश इसे टकटकी लगाए देख रहे हैं। जैपाड एक्सरसाइज में भारत, रूस, अर्मेनिया, कजाकिस्तान सहित यूरेशिया और दक्षिण एशिया सहित 17 देशों के सैनिक अपना प्रदर्शन दिखा रहे हैं। भारतीय सेना ने इस सैन्य अभियान में हिस्सा लेने के लिए नागा रेजमेंट के 200 जवानों को रूस भेजा है। इसके अलाना मेकेवाइज्ड फोर्सेज (टैंक और बीएमपी व्हीकल्स) और भारतीय सेना के कमांडो भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

राष्ट्रपति पुतिन ने की समीक्षा

रूस में चल रहे जैपाड सैन्य अभ्यास की समीक्षा करने व्लादिमीर पुतिन नोवोग्राड क्षेत्र के म्यूलिनो ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचे। उनके मौजूदगी में ही कोउलेशन-फोर्सेज़ ने फाइनल-एसॉल्ट की ड्रिल की। माना जा रहा है कि कोल्ड-वॉर के बाद रूस ने इतने बड़े स्तर की एक्सरसाइज पहली बार की है जिसमें करीब दो लाख सैनिकों ने हिस्सा लिया है।

लंदन में बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल लेखकों की सूची जारी

ब्रिटेन। लंदन में मंगलवार को एक ऑनलाइन कार्यक्रम में 2021 के बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासकारों की सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उपन्यास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की अंतिम सूची में छह उपन्यासकारों ने जगह बनायी है।

इनमें पुरुष-महिला लेखकों की संख्या समान रही। वहीं, भारतीय मूल के ब्रिटिश उपन्यासकार संजीव सहोता अंतिम दौड़ में चूक गए, जिन्होंने अपनी बेहद पसंद की गई कहानी चाइना रूम के साथ लंबी दूरी तय की।

श्रीलंकाई तमिल लेखक अनुक अरुदप्रगासम ने ए पैसेज नॉर्थ के साथ जगह बनायी जबकि द प्रॉमिस के लिए दक्षिण अफ्रीकी लेखक डेमन गलगुट, नो वन इज टॉकिंग अबाउट दिस के लिए अमेरिका की पेट्रीसिया लॉक्डवुड, बेविल्डरमेंट के लिए रिचर्ड पावर्स, ग्रेट सर्कल के लिए मैगी एस और द फॉर्च्यून मैन के लिए ब्रिटिश-सोमाली लेखक नदिफा मोहम्मद ने अपनी दावेदारी मजबूत की।

बुकर पुरस्कार,2021 के लिए चयन करने वाली समिति की अध्यक्ष इतिहासकार माया जैसनॉफ ने कहा कि उनके समक्ष कई महत्वाकांक्षी एवं बुद्धिमता वाली पुस्तकें हैं और वे चुनी गई सूची को जारी करके बेहद प्रसन्न हैं।

हर किसी के मन में एक ही सवाल, कब तक खत्म होगी कोविड वैश्विक महामारी?

नॉर्विच (ब्रिटेन)। (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) मास्क पहनने, सामाजिक दूरी और लॉकडाउन लगने-हटने के साथ ही कोविड-19 वैश्विक महामारी के करीब 18 महीने बीत जाने के बाद, हर कोई यह जानने को बेताब है कि आखिर यह महामारी कब और कैसे खत्म होगी। इस बारे में कुछ भी पक्के तौर पर कहना मुमकिन नहीं है, लेकिन हमारे पास कुछ हद तक वास्तविक लगने वाली उम्मीदों को जगाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं कि यह महामारी आगे आने वाले समय में किस तरह से बढ़ेगी। कोविड-19 पहली बार नहीं है जब कोई कोरोना वायरस एक भयानक वैश्विक महामारी का कारण बना हो। यह अनुमान लगाया गया है कि रूसी फ्लू , जो 1889 में सामने आया था, वास्तव में इन्फ्लूएंजा नहीं था, बल्कि एक अन्य कोरोना वायरस, ओसी43 के कारण हुआ था।

रूसी फ्लू वैश्विक महामारी पांच वर्षों तक करीब चार या पांच लहरों के साथ आती रही जिसके बाद यह गायब हो गई। इंग्लैंड और वेल्स में 1890 से ले कर 1891 तक इसके कारण सबसे ज्यादा मौतें हुईं। संभावित कारण, ओसी43 का प्रसार आज भी देखने को मिलता है लेकिन इससे गंभीर बीमारी होना दुर्लभ है। मौजूदा साक्ष्य दिखाते हैं कि कोविड-19 फैलाने वाला सार्स-सीओवी-2 भी अभी रहने वाला है। यह निष्कर्ष वायरस पर काम कर रहे कई वैज्ञानिकों ने कुछ महीने पहले निकाला था। न तो टीके न ही प्राकृतिक संक्रमण वायरस को फैलने से रोक पाएगा।

टीके प्रसार को भले ही घटाते हैं, लेकिन वे वायरस को पूरी तरह खत्म करने के लिए संक्रमण को उच्चतम स्तर पर पूरी तरह नहीं रोक पाते हैं। डेल्टा स्वरूप के सामने आने से पहले, हमने टीके की दोनों खुराकें ले चुके लोगों को भी वायरस से संक्रमित होते और इसे दूसरों में फैलाते देखा है। वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में टीकों के डेल्टा स्वरूप से निपटने में कम प्रभावी होने के कारण, टीकाकरण के बाद भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। वैक्सीन की दूसरी खुराक मिलने के कुछ हफ्तों के भीतर संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी कम होने लगती है। और चूंकि संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता न तो पूर्ण है और न ही स्थायी, इसलिए 'हर्ड इम्युनिटी' (सामूहिक प्रतिरक्षा) असंभव है। इसका मतलब यह है कि कोविड-19 के स्थानिक होने की संभावना है, जिसमें दैनिक संक्रमण दर घटना इस बात पर निर्भर करती है कि पूरी आबादी में कितनी प्रतिरक्षा है। अन्य मानव कोरोना वायरस हर तीन से छह साल में औसतन बार-बार संक्रमण का कारण बनते हैं।

यदि सार्स-सीओवी-2 उसी तरह से व्यवहार करता है, तो इसका मतलब है कि ब्रिटेन में 16.6 प्रतिशत और एक-तिहाई लोगों यानी 1.1 से 2.2 करोड़ लोग औसतन हर साल या 30,000 से 60,000 लोग एक दिन में संक्रमित हो सकते हैं। लेकिन यह उतना डरावना नहीं है जितना लगता है। हां, उभरते हुए अनुसंधान यह दर्शाते हैं कि रोगसूचक कोविड-19 के खिलाफ प्रतिरक्षा सुरक्षा कम होती दिख रही है। गंभीर बीमारी से सुरक्षा - जो या तो टीकाकरण या प्राकृतिक संक्रमण से उत्पन्न होती है - बहुत अधिक समय तक चलने वाली होती है। नए स्वरूपों का सामना करने पर भी यह कम होती नहीं दिखती है। कई अंत वाली महामारी कोविड-19 कैसे समाप्त होगा, यह एक देश से दूसरे

देश में भिन्न होगा। यह काफी हद तक प्रतिरक्षित लोगों के अनुपात पर निर्भर करता है और महामारी की शुरुआत के बाद से कितना संक्रमण हुआ है (और कितनी प्राकृतिक प्रतिरक्षा का निर्माण हुआ है)।

ब्रिटेन और अन्य देशों में जहां अधिकांश आबादी को टीका लग चुका है और पिछले मामलों की संख्या भी अधिक है, वहां के ज्यादातर लोगों में वायरस के प्रति किसी न किसी प्रकार की प्रतिरक्षा होगी। पूर्व प्रतिरक्षा वाले लोगों में, यह देखा गया है कि कोविड-19 कम गंभीर होता है। और जैसा कि प्राकृतिक रूप से दोबारा संक्रमण या बूस्टर टीकाकरण द्वारा समय के साथ अधिक लोगों की प्रतिरक्षा को बढ़ाया जाता है, हम नए संक्रमणों के बढ़ते अनुपात को बिना लक्षण वाले या सबसे खराब स्थिति में हल्की बीमारी करने वाला मान सकते हैं।

सऊदी अरब ने व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए नए कानून को मंजूरी दी

रियाद (एजेंसी)।

सऊदी अरब के मंत्रिपरिषद ने मंगलवार को व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून को मंजूरी दे दी।

सऊदी डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथॉरिटी (एसडीएआईए) ने घोषणा की कि नया कानून व्यक्तिगत डेटा को बिना सहमति के संग्रह और प्रसंस्करण से बचाता है। इसे छह महीने के भीतर लागू किया जाना है। सऊदी गजट ने बताया कि इसे किसी भी व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए भी नामित किया गया है, जिससे उपयोगकर्ता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बिना सहमति के संग्रह और प्रसंस्करण से पहचाना जा सकता है। डेटा में नाम, पहचान संख्या, पता, फोन नंबर, व्यक्तिगत रिकॉर्ड, वित्तीय रिकॉर्ड और छवियां, वीडियो या कोई अन्य पहचान डेटा शामिल हैं। नया कानून व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, व्यक्तिगत डेटा के साझाकरण को नियंत्रित करेगा और व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग को रोकेगा। एसडीएआईए के प्रमुख अब्दुल्ला अल-गम्दी ने कहा कि कानून विशिष्ट नियंत्रणों के अनुसार व्यक्तिगत डेटा के प्रकटीकरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित करेगा जो इसका इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विपणन या जागरूकता सामग्री के उद्देश्य के लिए संचार के व्यक्तिगत साधनों का उपयोग करने की अनुमति नहीं है, सिवाय व्यक्तिगत डेटा के मालिक की मंजूरी के, या एक तंत्र के अस्तित्व के लिए जो उसे इसे प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त करने में सक्षम बनाता है या नहीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा भेजी गई जागरूकता सामग्री को इससे बाहर रखा गया है। अल-गामदी ने जोर देकर कहा कि सिस्टम व्यक्तिगत डेटा के मालिकों को उनके डेटा को देखने और इसके संग्रह और प्रसंस्करण के उद्देश्य को जानने का अधिकार देता है, और उन्हें इसे एक्सेस करने या इसकी एक प्रति प्राप्त करने का अधिकार है।

लैब-लीक थ्योरी को नकारने वाले वैज्ञानिक वुहान लैब से जुड़े : रिपोर्ट

लंदन (एजेंसी)।

चीन के वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) से कोविड-19 के लीक होने के सिद्धांत को खारिज करने वाले वैज्ञानिकों का संबंध इस कुख्यात लैब से है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल 7 मार्च को द लैंसेट में प्रकाशित एक पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले वैज्ञानिकों में से एक ने लैब-लीक सिद्धांत को खारिज कर दिया था। 27 वैज्ञानिकों द्वारा हस्ताक्षरित और ब्रिटिश प्राणी विज्ञानी पीटर दासजक द्वारा शुरू किए गए लैंसेट पत्र ने इस वैज्ञानिक बहस को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया कि क्या कोरोनावायरस में हेरफेर किया गया था या चीनी लैब से लीक किया गया था।

दासजक अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी इकोहेल्थ एलायंस के अध्यक्ष हैं, जिनका चीन से सीधा संबंध है। फर्म ने डब्ल्यूआईवी में अनुसंधान को भी वित्त पोषित किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने वुहान में कोरोनावायरस के प्रकोप के आसपास साजिश के सिद्धांतों की कड़ी निंदा की। सूचना की स्वतंत्रता अनुरोध का उपयोग करते हुए किए गए चौंकाने वाले रहस्योद्घाटन से पता चला है कि 8 फरवरी को दासजक द्वारा भेजे गए एक ईमेल से पता चला है कि उन्हें चीन में हमारे सहयोगियों द्वारा समर्थन दिखाने के लिए पत्र लिखने का आग्रह किया गया था। एक्सप्रेस डॉट को डॉट यूके ने अखबार का हवाला देते हुए कहा, दसजक ने अंततः इकोहेल्थ एलायंस में अपनी भागीदारी की घोषणा की। वह यह उल्लेख करने में विफल रहे कि पांच अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं ने भी संगठन के लिए काम किया।

इसके अलावा, लैंसेट पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में से तीन ब्रिटेन के वेलकम ट्रस्ट से थे, जिसने डब्ल्यूआईवी में काम के लिए धन भी दिया है। हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक, सेज के सदस्य और ट्रस्ट के निदेशक, सर जेरेमी फरार, वुहान सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के प्रमुख जॉर्ज गाओ को पुराना दोस्त बताते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाओ, जो वेलकम ट्रस्ट के पूर्व शोध सहायक भी हैं, ने दासजक के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में नामांकन का समर्थन किया था।

चीनी शहर वुहान में पहली बार कोविड-19 का पता चलने के लगभग दो साल बाद भी, वायरस की उत्पत्ति का सवाल अभी भी अनुत्तरित है। विश्व स्तर पर कई वैज्ञानिकों और सरकारों द्वारा कई दावे किए गए हैं। हाल की अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट भी इस बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकाल सकी है कि क्या नया कोरोनावायरस स्वाभाविक रूप से इंसानों में पहुंचा या यह किसी लैब लीक का परिणाम था।

भारत सरकार के अनुसार जलवायु महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है: जॉन कैरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के जलवायु मामलों के विशेष दूत जॉन कैरी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने भारत सरकार से कहा है कि जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं (लक्ष्यों) को आगे बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया है कि भारत, ब्रिटेन के ग्लासगोव में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के दौरान कुछ घोषणाएं करेगा। यह सम्मेलन 31 अक्टूबर से 12 नवंबर तक चलेगा। कैरी ने कहा कि यदि भारत वर्ष 2030 तक 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने सफल होता है, तो यह एक विकासशील देश द्वारा दुनिया के तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर बरकरार रखने के प्रयासों में बड़ा योगदान साबित होगा। उन्होंने कहा, मैं निजी तौर पर आग्रह करता हूं कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को लेकर स्पष्ट रूप से घोषणा करने के बारे में सोचे। कैरी जलवायु संकट से निपटने के मद्देनजर वार्ता को लेकर भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। कैरी से मीडिया ने सवाल किया कि क्या उन्होंने भारत सरकार को उसकी जलवायु महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने को कहा है तो कैरी ने कहा, मैंने उनसे कहा कि यह अत्यावश्यक है। हमें यह करना है।

लोगों ने मुझे स्पष्ट रूप से ना या हां नहीं कहा है। मैं किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जिसने कहा हो कि यह बेकार विचार है और हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के जलवायु मामलों के विशेष दूत ने कहा, यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। यह निर्णय लेने के लिए भारत में आंतरिक विचार-विमर्श करने की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि भारत सीओपी26 में जाने के दौरान किसी न किसी बात की घोषणा करने जा रहा है और वो भी ऐसी, जैसा कि कई अन्य देशों से आपने अभी तक नहीं सुना होगा। केरी ने कहा कि दोनों पक्षों ने नेट जीरो पर चर्चा में अधिक समय नहीं दिया और उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन्हें तत्काल किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अगर आप वर्ष 2030 तक बेहतर तरह से कार्य नहीं करते हो तो नेट जीरो का लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते। हमने वास्तव में एनडीसी की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया और इस बात पर विचार किया कि 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या सहायक कदम उठाए जा सकते हैं।

राष्ट्रपति भवन के अंदर आपस में ही लड़ने लगे तालिबानी, फैला दी मुल्ला बरादर के निधन की झूठी खबर

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में अपनी अंतरिम सरकार की घोषणा करने के कुछ दिनों बाद काबुल में राष्ट्रपति भवन में उसके शीर्ष नेताओं के बीच एक बड़ा विवाद की सूचना सामने आयी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान में दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के समर्थकों के बीच प्रेसिडेंशियल पैलेस में कहासुनी हो गई। हालांकि तालिबान ने ऐसी खबरों का खंडन किया है लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नयी सरकार के हालात ठीक नहीं है। तालिबान के सह-संस्थापक और उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के कई दिनों तक गायब रहने के बाद समूह के भीतर विवाद सामने आया।

सूत्रों ने बीबीसी पश्तो को बताया कि बरादर और खलील उर-रहमान हक्कानी ने (नए कैबिनेट में मंत्री और हक्कानी नेटवर्क के शीर्ष नेता) अपने अनुयायियों के बीच लड़ाई के बाद तीखी बहस की। जानकारी के अनुसार यह विवाद तब शुरू हुआ जब तालिबान के दो गुट आपस में अफगानिस्तान पर जीत का श्रेय लेने लगे। दोनों खेमे अपनी तारीफ में कसीदे पढ़ रहे थे इसी बीच झगड़ा शुरू हो गया।

एक तरफ बरादर खेमे का मानना है कि अफगानिस्तान पर तालिबान की जीत उनके द्वारा लिए गये कूटनीति फैसलों के कारण मिली है। वहीं हक्कानी का मानना है कि लड़ाई के माध्यम से जीत हासिल की गई थी। इस गर्मा-गर्मी के बाद यह बरादर कुछ समय के लिए गायब हो गये जिसके बाद यह अफवाह फैल गयी कि बरादर की मौत हो गयी लेकिन तालिबान के सूत्रों ने इस दावे का खंडन किया।

बरादर ने सोमवार को एक ऑडियो बयान जारी कर कहा कि वह जीवित हैं और उनके कथित निधन की वायरल हो रही खबर अफवाह है। बरादर ने क्लिप में कहा, ÷मीडिया में मेरी मौत की खबर थी। पिछली कुछ रातों से मैं यात्राओं पर गया हूं। मैं इस समय जहां भी हूं, ठीक हूं। मेरे सभी भाई और दोस्त भी ठीक है। मीडिया हमेशा नकली समाचार प्रकाशित करता है। इसलिए, उन सभी झूठों को बहादुरी से खारिज करें, और मैं आपको 100 प्रतिशत पुष्टि करता हूं कि मुझे कोई समस्या नहीं है।

कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियों के बंद होने से दिल्ली के राजस्व में आई भारी कमी

- उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने इसकी जानकारी दी
- वित्त वर्ष 2020-21 में दिल्ली को अनुमानित राजस्व से 41 प्रतिशत कम राजस्व की प्राप्ति हुई

वित्त वर्ष 2020-21 में दिल्ली सरकार को अनुमानित राजस्व से 41 प्रतिशत कम राजस्व की प्राप्ति हुई, 2021-22 में भी अबतक अनुमानित राजस्व से 23 प्रतिशत कम राजस्व मिला है। कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियों के बंद होने व केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में न के बराबर भागीदारी मिलने से दिल्ली के राजस्व प्राप्ति में भरी कमी हुई है:-**मनीष सिसोदिया**

नई दिल्ली,(प्रवीण कुमार सिंह)।

कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियों के बंद होने से दिल्ली सरकार के राजस्व प्राप्ति में भरी कमी आई है। बुधवार को उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में दिल्ली सरकार को अनुमानित राजस्व से 41 प्रतिशत कम राजस्व की प्राप्ति हुई, 2021-22 में भी अबतक अनुमानित राजस्व से 23 प्रतिशत कम राजस्व मिला है। उन्होंने आगे बताया कि कोरोना के कारण आर्थिक गतिविधियों के बंद होने व केंद्र सरकार से केंद्रीय करों में न के बराबर भागीदारी मिलने से दिल्ली के राजस्व प्राप्ति में भरी कमी हुई है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी कंपनसेशन देना बंद करने दिल्ली सरकार के राजस्व में अगले साल से 8000 करोड़ रुपयों की कमी आएगी। दिल्ली के प्रति केंद्र सरकार की उदासीन नीति के कारण दिल्ली को केंद्रीय करों में केवल 325 करोड़ रूपये मिलते है जबकि केंद्रीय करों में दिल्ली सरकार की भागीदारी 1 लाख 40 हज़ार करोड़ रुपयों की होती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2020-21 व 2021-22 कोरोना के कारण प्रभावित रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में दिल्ली सरकार को अनुमानित राजस्व से 41 प्रतिशत कम राजस्व की प्राप्ति हुई। 2021-22 में भी सरकार को अबतक अनुमानित राजस्व से 23 प्रतिशत कम राजस्व की प्राप्ति हुई है। ये चिंता की बात है इसकी वजह से कर्मचारियों के वेतन और कोरोना संबंधी खर्चों के अलावा सरकार ने बाकि खर्चों को रोक कर रखा। साथ ही बाकि राज्य सरकारों के साथ-साथ दिल्ली को भी अगले साल से जीएसटी कंपनसेशन मिलना बंद हो जाएगा। जिससे दिल्ली सरकार के राजस्व में 8000 करोड़ की कमी आएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार को केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय करों से पिछले 20 सालों से केवल 325 करोड़ रूपये मिलते है। जबकि दिल्ली का केंद्रीय करों में 1 करोड़ 40 लाख रूपए का योगदान होता है। सिसोदिया ने कहा कि इन वजहों से आने वाले समय में काफी मुश्किलें होंगी क्योंकि केंद्र सरकार से दिल्ली सरकार को केंद्रीय करों में उचित हिस्सा नहीं मिलता है। उन्होंने साझा किया कि वर्तमान में दिल्ली सरकार के जीएसटी कलेक्शन में 23 प्रतिशत, वैट कलेक्शन 25 प्रतिशत, एक्साइज कलेक्शन 30 प्रतिशत, स्टाम्प कलेक्शन 16 प्रतिशत व मोटर व्हीकल टैक्स कलेक्शन में 19 प्रतिशत की कमी आई है।

राजस्व प्राप्ति में आई इन गिरावटों के बावजूद दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की गई नई आबकारी नीति से कुछ सफलता मिली है जिससे आने वाले समय में सरकार का राजस्व बढ़ेगा। इस बाबत उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्त्व में 15 अप्रैल 2021 को दिल्ली की नई आबकारी नीति को मंजूरी मिली। इसका उद्देश्य दिल्ली में आबकारी करों में होने वाली चोरी को रोकना था। इस नीति के तहत सबसे बड़ा बदलाव एक्साइज ड्यूटी और वैट को लाइसेंस फीस में तब्दील कर देना था। क्योंकि यही सबसे ज्यादा कर चोरी होती थी। अबतक शराब के दुकान की लाइसेंस फीस 8-10 लाख रूपए व एक्साइज ड्यूटी 300 प्रतिशत हुआ करती थी। उच्च दरें होने के कारण करों को बहुत ज्यादा चोरी हुआ करती थी। दिल्ली सरकार ने इसे रोकने के लिए प्रति दुकान लाइसेंस फीस 6-7 करोड़ रूपए कर दी व 10 प्रतिशत ज्यादा कीमते बढ़ाकर बिडिंग की।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में सबसे आगे यह राज्य, दिल्ली को छोड़ा काफी पीछे

नई दिल्ली। देश में बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दामों और पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए ई-मोबिलिटी को बढ़ावा दिया जा रहा है. सार्वजनिक वाहनों से लेकर निजी कार और दोपहिया वाहन चालकों को भी इलेक्ट्रिक व्हीकल पर स्विच करने के लिए तमाम तरह की छूट और फायदे दिए जा रहे हैं. केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा ऑटोमोबाइल क्षेत्र की कंपनियां भी इलेक्ट्रिक वाहनों की नई-नई रेंज निकाल रही हैं. यही वजह है कि आज ई-साइकिल से लेकर ई-रिक्शा, ई-बसें, इलेक्ट्रिक कार, ई-बाइक , इलेक्ट्रिक स्कूटर आदि बाजार में मौजूद हैं.

ई-वाहनों को लेकर अधिकांश राज्य सरकारें अपनी नीतियां बना चुकी हैं. इनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडीसा, मेघालय, पंजाब, तमिलनाडू, तेलंगाना और उत्तराखंड आदि राज्य शामिल हैं. यहां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए ईवी खरीदारों को राहत देने के साथ ही बड़े स्तर पर ईको-सिस्टम और इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में काम चल रहा है. जिसमें ईवी के लिए चार्जिंग स्टेशन

और और बैटरी स्वैपिंग सुविधाएं आदि शामिल हैं. हालांकि अगर ईवी की खरीद और बिक्री की बात करें तो राज्यों की स्थित अलग-अलग है.

ई-वाहनों की बिक्री की बात करें तो पहले नंबर पर उत्तर-प्रदेश है. यहां सबसे ज्यादा ईवी की बिक्री की गई है. काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2021-22 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है. अब तक यूपी में 13,936 ईवी बिके हैं, जो देश में बिके कुल ईवी का 20.59 प्रतिशत है.

सीईईडब्ल्यू के मुताबिक यूपी के बाद दूसरे नंबर पर कर्नाटक राज्य है जहां इस वित्त वर्ष में अभी तक 8171 ईवी बेचे गए हैं. यह कुल ईवी बिक्री का 12.07 फीसदी है इसके बाद तीसरे-चौथे नंबर पर क्रमशः तमिलनाडु और राजस्थान हैं. इन राज्यों में क्रमशः 7960 और 6992 इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री की गई है. जो कुल वाहन बिक्री का 11.76 और 10.33 फीसदी है.

जहां तक देश की राजधानी दिल्ली की बात है तो यह यूपी से काफी पीछे होने के साथ ही कुल वाहन बिक्री में छठे नंबर पर है. यहां 5678 ईवी इस वित्तीय वर्ष में बेचे गए हैं. यह देश की कुल बिक्री का 8.38 फीसदी है. दिल्ली से ज्यादा महाराष्ट्र में 6302 ईवी की बिक्री हुई है और यह ईवी की बिक्री में देश में पांचवे नंबर पर है. इसके बाद बिहार, असम, केरल और पश्चिम बंगाल में ईवी की बिक्री काफी कम है.

पिछले साल भी ईवी- बिक्री में यूपी था नंबर वन - खास बात है कि पिछले वितीय वर्ष 2020-21 में भी उत्तर प्रदेश ईवी की सेल में पहले नंबर पर था. पिछले साल यूपी में इस साल से भी ज्यादा 87807 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हुई थी जो कि कुल बिक्री का 29.06 फीसदी था. हालांकि पिछले साल 35496 ईवी की बिक्री के साथ दिल्ली राज्य दूसरे नंबर पर था और भारत के कुल ईवी बिक्री में दिल्ली का 11. 75 फीसदी हिस्सा था.

संक्षिप्त खबर

पूर्वी दिल्ली निगम ने एकमुश्त संपत्ति कर भुगतान पर मिल रही छूट की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा है कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने एकमुश्त संपत्ति कर भुगतान पर मिल रही 15 प्रतिशत छूट की अवधि को अगले 15 दिनों के लिए यानी 30 सितंबर 2021 तक बढ़ा दिया है। श्री अग्रवाल ने कहा है कि कोरोना महामारी के चलते लोगों की समस्या को देखते हुए यूपिक आधारित भुगतान प्रणाली की प्रक्रिया के चलते यह फैसला लिया गया है। महापौर ने बताया कि नए यूपिक के आवेदन के साथ 15 प्रतिशत छूट की अवधि को भी अगले 10 दिनों यानी 25 सितंबर 2021 तक बढ़ा दिया गया है। बिना छूट के नए यूपिक आवेदन 01 अक्टूबर 2021 से स्वीकार किए जाएंगे।

संत दर्शन सिंह की जन्म शताब्दी मनाई

नई दिल्ली। संत दर्शन सिंह जी महाराज की

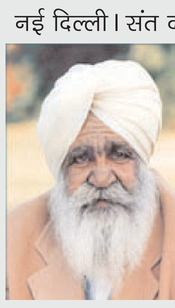

जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर एक ऑन लाइन कार्यक्रम उनकी याद में आयोजित किया गया। उनका जन्म 14 सितंबर, 1921 को हुआ था। इस कार्यक्रम में संत दर्शन सिंह जी महाराज के जीवन, उनकी शिक्षाओं और विरासत के रूप में जो वो हमें दे गए हैं, उसे याद किया गया। सावन कृपाल रूहानी मिशन के प्रमुख संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने कहा कि संत दर्शन सिंह जी महाराज दिव्य-प्रेम के महासागर थे और उन्होंने अपनी शिक्षाओं के ज़रिये लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन को बदलकर प्रभु की ओर कर दिया। यह ऑन लाइन कार्यक्रम माता रीटा जी के गुरुबानी शब्द गायन से शुरू हुआ। उन्होंने सिक्खों के तीसरे गुरु, गुरु अमरदास जी महाराज की वाणी से 'सत्गुरु की सेवा सफल है, जै को करे चित लाए शब्द का गायन किया। उसके पश्चात संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अमेरिका से यू-ट्यूब पर लाइव टेलीकास्ट के ज़रिये दिव्य-प्रेम और रूहानियत का संदेश समस्त मानवजाति को दिया। इस अवसर पर संत राजिन्दर सिंह महाराज ने अपने संदेश में कहा कि, 14 सितंबर, 1921 को प्रभु की यह रोशनी पूर्व से उठी और पूरी दुनिया में फैल गई और उसने हरेक के दिलों को, जो भी उनके संपर्क में आया खुशी और आनंद से भर दिया। संत दर्शन सिंह जी महाराज के लिए बाहरी मतभेद कोई मायने नहीं रखते थे। वे कहा करते थे कि हम सब पिता-परमेश्वर की संतान हैं, इस करके वे हम सभी से प्रेम करने के लिए आए थे।

महापौर ने पांडव नगर क्षेत्र में किया नये कॉम्पैक्टर का उद्घाटन

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने पांडव नगर वार्ड संख्या 16 ई के ढलावघर में नये कॉम्पैक्टर प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर स्थानीय पार्षद गोविन्द अग्रवाल विधायक, अभय वर्मा सहित मार्केट एसोसिएशन और आर.डब्ल्यूए के सदस्य भी मौजूद थे। स्थानीय पार्षद गाविन्द अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ढलावघर का पुर्ननिर्माण किया गया है और नया कॉम्पैक्टर लगाया गया है जिसमें 19 लाख रुपये की लागत आई है। उन्होंने बताया 30 लाख टन क्षमता के इस कॉम्पैक्टर से कूड़ा लगभग 7 गुणा तक कम किया जा सकेगा। अग्रवाल ने बताया इस कॉम्पैक्टर में ऐसी व्यवस्था है कि कूड़ा जमीन पर ना डालकर सीधे तौर पर कॉम्पैक्टर में डाला जा सकेगा।

पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट, लाल किले पर कब्जा जमाना चाहते थे प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में रिपब्लिक डे पर किसानों के प्रदर्शन को 'गहरी और सुनियोजित' साजिश साबित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने नवम्बर 2020 और जनवरी 2021 के बीच पंजाब और हरियाणा में ट्रैक्टरों की बिक्री में बढोतरी का हवाला दिया है. इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जो आरोप पत्र दायर किए हैं, उसमें कहा गया है कि सोची समझी साजिश का ही नतीजा है कि उस अवधि के दौरान ट्रैक्टरों की बिक्री बढ़ी और उसका एक मात्र उद्देश्य आंदोलन एवं प्रदर्शन के लिए ट्रैक्टरों को दिल्ली लाना था. आरोप पत्र में कहा गया है कि पंजाब में इस तीन महीने के दौरान ट्रैक्टरों की बिक्री में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई. वहां दिसम्बर 2019 में 790 ट्रैक्टरों की बिक्री की तुलना में दिसम्बर 2020 में यह आंकड़ा 94.30 फीसदी बढोतरी के साथ 1535 ट्रैक्टरों तक पहुंच गया. इसी प्रकार, जनवरी 2020 की तुलना में जनवरी 2021 में भी बिक्री में भारी बढोतरी हुई. जनवरी 2020 में जहां 1534 ट्रैक्टर बिके, वहीं जनवरी 2021 में इसमें 85.13 प्रतिशत की उछाल आई और 2840 ट्रैक्टर बिके. नवम्बर 2019 के 1330 ट्रैक्टरों की तुलना में नवम्बर 2020 में 43.53 प्रतिशत बिक्री बढी और यह आंकड़ा 1909 तक पहुंच गया.

आरोप पत्र में हरियाणा में ट्रैक्टर की बिक्री में हुई बढोतरी का भी हवाला दिया गया है. इसके अनुसार, हरियाणा में नवम्बर 2019 में 2408 ट्रैक्टरों की तुलना में नवम्बर 2020 में 31.81 प्रतिशत वृद्धि के साथ 3174 ट्रैक्टर बिके. दिसम्बर 2019 में 1538 ट्रैक्टरों की बिक्री हुई थी, जबकि दिसम्बर 2020 में 50.32 प्रतिशत वृद्धि के साथ यह आंकड़ा 2312 तक पहुंच गया. जनवरी 2020 में 2635 ट्रैक्टर बिके थे, जबकि जनवरी 2021 में 48 प्रतिशत की उछाल के साथ यह आंकड़ा 3900 पर पहुंच गया.

आरोप पत्र में कहा गया है कि ऐसे अनेक वीडियो क्लिप मौजूद हैं, जिनमें किसान नेताओं को अपने समर्थकों को अपने ट्रैक्टरों को मॉडिफाई करने और भारी धातु की एक्सेसरीज ट्रैक्टर में लगाने के लिए उकसाया जा रहा है, ताकि पुलिस की घेराबंदी तोड़ी जा सके. इतना ही नहीं वीडियो क्लिप इस बात की भी गवाही देते हैं कि किसान नेताओं ने ट्रैक्टर रैली में निर्धारित रूट पर चलने का मन पहले से ही बनाया हुआ था. किसान नेताओं का कहना था कि यदि पुलिस उन्हें रोकती भी है तो भी वे घेराबंदी तोड़कर किसी भी कीमत पर दिल्ली में प्रवेश करेंगे.

लाल किले पर कब्जा जमान चाहते थे प्रदर्शनकारी- आरोप पत्र में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों का उद्देश्य लाल किला फतह करना या उस पर कब्जा जमाना था, ताकि इसे प्रदर्शन स्थल में तब्दील किया जा सके और रिपब्लिक डे पर निशान साहिब और किसान फ्लैग फहराकर देश की जनता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लज्जित किया जा सके.पुलिस ने एक आरोपी इकबाल सिंह के डिस्क्लोजर स्टेटमेंट का हवाला दिया है, जिसने कथित तौर पर कहा था कि अगर वह निशान साहिब को फहराने में सफल रहा तो भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) समूह द्वारा घोषित नकद इनाम उसे मिलेगा. चार्जशीट में सिंह की बेटी और एक रिश्तेदार के बीच कथित ऑडियो बातचीत का हवाला दिया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर 50 लाख रुपये के भुगतान का उल्लेख किया है. इस संबंध में जांच की जा रही है. सिंह के इस साल 19 जनवरी को पंजाब के तरनतारन जाने का हवाला देते हुए चार्जशीट में कहा गया है कि लाल किले पर निशान साहिब फहराने वाले फरार आरोपी भी तरनतारन के हैं.

कॉल डिटेल रिकॉर्ड का हवाला देते हुए, इसमें कहा गया है कि सिंह 'अपने एक सहयोगी के माध्यम से फरार आरोपी व्यक्तियों के संपर्क में था.' दंगा, लोक सेवकों पर हमला, आपराधिक साजिश से जुड़ी आईपीसी की विभिन्न धाराओं, शस्त्र अधिनियम, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम, प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, महामारी रोग अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 16 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है. सभी अभियुक्तों को जमानत दे दी गई है.

दिल्ली में 8वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए बंद रहेंगे स्कूल

नई दिल्ली। कोरोना के चलते जहां दिल्ली सरकार ने अपर क्लास के बच्चों के लिए स्कूल खोल दिए हैं. वहीं, आठ तक की कक्षाओं के लिए स्कूल नहीं खुलेंगे. दिल्ली की डिजास्टर मैनेजमेंट ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं. निर्देशों के अनुसार, आठवीं तक के बच्चों को फिलहाल, स्कूल नहीं बुलाया जाएगा. वहीं, नौवीं से बारहवीं तक के लिए कक्षाएं 50त्न क्षमता के साथ चलती रहेंगी.निर्देशों में कहा किया गया है कि बिजनेस टू बिजनेस और बिजनेस टू कस्टमर एग्जिबिशन की परमिशन रहेगी. साथ ही 50 त्न क्षमता के साथ असेंबली हॉल में इवेंट आयोजित किए जा सकेंगे. आदेशानुसार, इवेंट के लिए किसी भी अथॉरिटी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है.

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, तय हुआ है कि 1 सितंबर से 9-12 कक्षा के बच्चों के लिये स्कूल खोले जा रहे हैं. सभी यूनिवर्सिटी और कोचिंग सेंटर खोले जाएंगे. स्कूल भेजने में अभिभावकों की सहमति ज़रूरी होगी. कोई अगर नहीं आता है तो उसे अबसेंट नहीं दिखाया जाएगा. हमने लोगों से राय मांगी थी जिसमें 70त्न लोगों ने कहा था कि स्कूल खोल देने चाहिये. पिछले एक महीने में सरकारी स्कूल का 98त्न टीचर और पूरा स्टाफ़ कम से कम एक डोज ले चुका है. प्राइवेट स्कूलों में भी ये किया जा रहा है. कोशिश है कि सभी लोग वैक्सीनेटे रहे. पूरी व्यवस्था और पूरी तैयारी के साथ स्कूल खोलने की तैयारी है. दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, क्लास रूम की सीटिंग क्षमता के अधिकतम 50 फीसदी तक बच्चे एक बार में क्लास कर सकेंगे. हर क्लास में सोशल डिस्टेंसिंग के लिए अलग-अलग समय का फॉर्मूला होगा. मॉर्निंग और ईवनिंग शिफ्ट के स्कूलों में दोनों शिफ्टों के बीच कम से कम एक घंटे का गैप जरूरी होगा.

दिल्ली में गरीब छात्र प्राइवेट स्कूलों में 30 सितंबर तक पा सकेंगे एडमिशन

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

दिल्ली के प्राइवेट स्कूल्स में दूसरी से नौवी क्लास तक में आर्थिक पिछड़े वर्ग के एडमिशन अब सितंबर महीने के अंत तक किए जाएंगे. दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने इस कैटेगरी के लिए इन क्लासेज में एडमिशन की आखिरी तारीख 30 सितंबर तक बढ़ा दी है. इससे पहले यह तारीख 13 सितंबर तक ही थी.

दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने यह पूरी तरह साफ़ कर दिया है कि यह एडमिशन लेने का आखिरी चांस होगा. इसके बाद आखिरी तारीख को किसी भी हाल में आगे नहीं बढ़ाया जाएगा. निदेशालय ने स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे बच्चों को एडमिशन देने से मना नहीं कर सकते हैं. अगर कोई स्कूल इस निर्देश का पालन नहीं करेगा तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा और उस पर एक्शन भी लिया जाएगा.

शिक्षा निदेशालय ने आर्थिक पिछड़े वर्ग के एडमिशन के लिए बीते 27 अगस्त 2021 को लॉटरी निकाली थी. इस लॉटरी के आधार पर ही बच्चों को स्कूल आवंटित कर उन्हें 13 सितंबर तक एडमिशन लेने के निर्देश दिए गए थे. लेकिन, लगभग 15 दिन से अधिक समय बीतने के बाद भी बहुत बड़ी संख्या में इस केटेगरी श्रेणी के तहत स्टूडेंट्स अभी तक स्कूलों में एडमिशन नहीं ले सके हैं.

इसलिए ऐसे स्टूडेंट्स के पेरेंट्स को राहत देते हुए शिक्षा निदेशालय ने एडमिशन की आखिरी तारीख को आगे बढ़ा दिया है. ताकि जिन स्टूडेंट्स को जहां भी स्कूल अलोट किए गए हैं, वे वहां आराम से एडमिशन ले सकें.

इसके अलावा निदेशालय ने तमाम स्कूलों को यह भी निर्देशित किया है कि वे इस बात का खासतौर ध्यान रखें कि एडमिशन के समय किसी भी स्टूडेंट के पेरेंट्स को को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए.

दिल्ली में अब हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन के लिए बैंक जाने और भौतिक रूप से कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने वाहनों के हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन प्रक्रिया को और आसान व पारदर्शी बनाने के लिए आज दिल्ली में वाहनों की खरीदारी के लिए ऋण प्रदान करने वाले सभी प्रमुख बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ एक बैठक की।

यह सेवा बीते 11 अगस्त को शुरू की गई थी और लांच होने के बाद से दिल्ली सरकार की 'फेसलेस सर्विसेज' को आवेदकों की तरफ से जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस पहल के तहत वाहनों के ड्राइविंग टेस्ट और फिटनेस टेस्ट को छोड़कर परिवहन विभाग की 33 सेवाओं को पूरी तरह से फेसलेस कर दिया गया है। यह पहली बार है, जब भारत में कोई राज्य इस मामले में पूरी तरह से फेसलेस हो गया है और घर से लर्नर लाइसेंस प्राप्त करने के लिए 'आधार' आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली एवं फीचर मैपिंग विशेषता के साथ एआई-आधारित चेहरा पहचान तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है।

हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन एचपीटी, जिसमें वाहन ऋण पर हाइपोथीकेशन को जोड़ना, जारी रखना और समाप्त करना शामिल है, परिवहन विभाग की सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली सेवाओं में से एक है। फेसलेस सेवाओं की शुरुआत के बाद से, दिल्ली में एचपीटी के लिए 7111 आवेदन प्राप्त हुए हैं । इससे पहले, एक आवेदक को ऋण के पुनर्भुगतान के बाद हाइपोथीकेशन की समाप्ति के लिए आवेदन करना होता था, जिसके तहत आवेदक को फॉर्म 35 और बैंक से एनओसी लेकर 90 दिनों के भीतर परिवहन विभाग में जमा करना होता था। परिवहन विभाग ने फेसलेस सेवाओं के लॉन्च के बाद से आटोमेटिक हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन के लिए पहले ही आईसीआईसीआई बैंक के साथ भागीदारी कर रखी है और वाहनों की खरीद के लिए ऋण लेने वाले 7800 से अधिक आवेदकों का डेटा प्राप्त किया है। आगामी नवंबर की शुरुआत से, किसी भी वित्तीय संस्थान से वाहन ऋण प्राप्त करने वाले किसी भी आवेदक को हाइपोथीकेशन टर्मिनेशन के लिए बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी और भौतिक रूप से कोई दस्तावेज जमा करने की भी ज़रूरत नहीं होगी। एक बार जब ऋण दे दिया जायेगा या भुगतान कर दिया जाता है, तो डेटा सीधे बैंक द्वारा वाहन डेटाबेस में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जो परिवहन विभाग को एचपीटी सेवा को सत्यापित और अनुमोदित करने में सक्षम करेगा। आज की बैठक में परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में बैंकों को ई-हस्ताक्षर के माध्यम से आधार आधारित प्रमाणीकरण की अनुमति देने का भी निर्देश दिया।

फिर किसानों में उबाल, तेवतिया सहित 17 किसानों ने ले ली भू समाधि!

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी में किसानों ने जमीन के मुआवजे में वृद्धि समेत तीन कृषि कानूनों के विरोध में भू समाधि प्रदर्शन किया. बुधवार को छह गांव के किसानों ने पूर्व की घोषणा के चलते किसान नेता मनवीर तेवतिया के नेतृत्व में धरनास्थल आवास विकास कार्यालय के सामने जिंदा भू समाधि लेकर विरोध जताया. किसानों के इस विरोध प्रदर्शन को लेकर प्रशासन तनाव में दिखा. अधिकारियों ने किसानों को समझाने की कोशिश की, लेकिन किसान पहले से खोदे गए गड्ढों में जाकर लेट गए. जानकारी के मुताबिक बुधवार को मंडोला समेत छह गांव के 17 किसानों ने किसान नेता मनवीर तेवतिया के नेतृत्व में धरनास्थल आवास विकास कार्यालय के सामने पहुंचे और वहां भू समाधि लेकर विरोध की मुद्रा में लेट गए. इस आंदोलन के केंद्र में लगभग 270 एकड़ जमीन है, जिसे यूपी हाउसिंग बोर्ड ने मंडोला विहार हाउसिंग स्कीम के तहत किसानों से अधिग्रहित किया था. किसानों ने 10 दिन पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला को ज्ञापन सौंपकर किसानों की मांग पूरी करने की चेतावनी दी थी.

इसको लेकर किसानों ने प्रशासन को 14 सितंबर तक का समय दिया था. मंगलवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन ऋतु सुहास ने हिंडन एयरफोर्स पुलिस चौकी पर किसान प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर समाधि न लेने को लेकर बात की थी, लेकिन वार्ता में संतोषजनक समाधान नहीं निकलने पर किसानों ने प्रशासनिक अधिकारियों का प्रस्ताव ठुकरा दिया था. किसान नेता नीरज त्यागी का कहना है कि करीब 5 साल से कई बार वार्ता हुई है लेकिन किसानों का समाधान नहीं हुआ है. समाधि लेने के दौरान पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची.

सब्जी मंडी के बाद अब सीताराम बाजार में गिरी चार मंजिला इमारत

नई दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आने वाले सब्जी मंडी इलाके में बीते सोमवार को एक चार मंजिला इमारत गिरने का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि अब सीताराम बाजार इलाके में एक तीन मंजिला इमारत भरभरा कर गिर गई है. मंगलवार व बुधवार की मध्य रात्रि में नॉर्थ एमसीडी के सिटी-सदर पहाड़गंज जोन के तहत आने वाले सीताराम बाजार की गली स्कूल वाली में स्थित संपत्ति संख्या 3185 पर बनी तीन मंजिला इमारत गिर गई. लेकिन गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बिल्डिंग को छह साल पहले ही डेंजरस घोषित कर दिया गया था.

बताते चलें कि सब्जी मंडी इलाके में दो दिन पहले सोमवार को अचानक गिरी चार मंजिला इमारत के नीचे तीन लोगों की दबकर मौत हो गई थी. इसमें दो बच्चे भी शामिल हैं. वहीं अब आज मध्य रात्रि में सुबह एक और हादसे के घटित होने के बाद निगम की उदासीनता और लापरवाही फरि सामने आई है. इस बिल्डिंग को डेंजरस घोषित होने के बाद भी एनडीएमसी ने इसको लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जिसका नतीजा यह है कि बिल्डिंग भरभराकर गिर गई.

कोर्ट ने घोषित कर रखा था डेंजरस बिल्डिंग, नहीं की कोई कार्रवाई

जानकारी के मुताबिक नॉर्थ एमसीडी के सीताराम बाजार की गली स्कूल वाली में स्थित संपत्ति संख्या 3185 पर बनी तीन मंजिला इमारत को डेंजरस बिल्डिंग घोषित किए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई. इस बिल्डिंग को कोर्ट ने भी तोड़ने के आदेश जारी किए हुए थे.

हैरान करने वाली बात तो यह है कि प्रॉपर्टी मालिकों की ओर से 2015 में ही नॉर्थ एमसीडी के अकाउंट में इसको तोड़ने के लिए डिमोलिशन चार्ज के रूप में 28,200 रुपए फीस भी जमा कर दी थी. लेकिन निगम ने इस प्रॉपर्टी पर मामूली तोड़फोड़ करके ऐसे ही बिल्डिंग को छोड़ दिया था. अब यह बिल्डिंग अचानक भरभराकर गिर गई है.

दिन में हादसा होता तो हो सकता था बड़ा जान माल का नुकसान

बताया जाता है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ उस समय वहां कोई भीड़भाड़ नहीं थी. इस वजह से कोई बड़ा हादसा होते-होते टल गया. लोगों का मानना है कि अगर यह हादस सब्जी मंडी इलाके की तरह दिन में होता तो शायद बड़े जान माल का नुकसान हो सकता था.

पिछले साल सितंबर माह में भी हुआ था सीताराम बाजार इलाके में हादसा-बताते चलें कि गत वर्ष भी सितंबर माह में सीताराम बाजार इलाके में एक निर्माणाधीन तीन मंजिला भवन गिर गया था. इस हादसे में एक मजदूर को चोटें आई थीं. इस हादसे की जांच के आदेश भी दिए गये थे. लेकिन इस मामले में भी किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी.

उधर, इस मामले पर नॉर्थ एमसीडी के मेयर राजा इकबाल सिंह से इस मामले पर जब ह्द्द2ह्य18 ने बातचीत की तो उन्होंने इसकी जानकारी नहीं होने की बात कही. और कहा कि इस मामले का पता लगने के बाद जल्द ही सूचना दी जाएगी. हैरान करने वाली बात यह है कि मध्य रात्रि के हादसे की जानकारी अभी तक नॉर्थ दिल्ली के मेयर को नहीं लग पाई है.

दिल्ली पुलिस को 13 साल से चकमा दे रहा था बदमाश, अब गाजियाबाद से दबोचा, भेजा जेल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के नई दिल्ली जिला पुलिस ने एक ऐसे घोषित बदमाश को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है जोकि 13 साल से फरार था. दिल्ली पुलिस ने इस घोषित अपराधी को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है.

नई दिल्ली जिला के मंदिर मार्ग थाना पुलिस टीम ने घोषित अपराधी बृजेश पुत्र रमेश निवासी गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश, उम्र 39 वर्ष को 13 सितंबर को गिरफ्तार किया था. उसको 19 अगस्त, 2008 को पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली की ओर से भगोड़ा घोषित कर दिया था.

नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त दीपक यादव के मुताबिक शिकायतकर्ता यासीन खान ने बस में जेबकतरी के संबंध में आरोपी के खिलाफ नई दिल्ली के थाना चाणक्यपुरी में एफआईआर दर्ज कराई थी. एफआईआर संख्या 120/2007 यू / एस 379/411/34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था. मुकद्दमें की कार्यवाही के दौरान, आरोपी बृजेश अदालत के सामने पेश नहीं हुआ और 19 अगस्त, 2008 को पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे घोषित अपराधी कर दिया गया था.

थाना मंदिर मार्ग की ओर की जांच टीम में एसआई जय सिंह नंबर, एएसआई इंदर सिंह और प्रधान सिपाही चंद्रहास घोषित अपराधी को पकड़ने के लिए काम कर रहे थे. गुप्त सूचना के आधार पर पीओ टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया. बाद में उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया और उसको न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है.

संपादकीय

टीकाकरण का नया इतिहास

सात अगस्त 2021 को भारत ने कोरोना को परास्त करने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 50 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा पार कर लिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज गति से चलने वाला टीकाकरण कार्यक्रम है। तमाम अवरोधों के बावजूद यह उपलब्धि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, कोरोना वॉरियर्स के लगन और वैज्ञानिकों व उद्यमियों के साहसिक प्रयास का परिचायक है। आज पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि भारत ने इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कैसे की? यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का नतीजा था कि देश में केवल नौ महीने में एक नहीं, बल्कि दो-दो मेड इन इंडिया कोविड वैक्सीन बनकर तैयार हुई और वैज्ञानिक तरीके से इसका उपयोग शुरू हुआ। इतने विशाल देश में इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। 16 जनवरी, 2021 को प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। देश को टीकाकरण में पहले 10 करोड़ का आंकड़ा छूने में 85 दिन लगे थे, लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आती गई। अनिवार्य लाइसेंसिंग की प्रक्रिया आसान की गई। कोविशील्ड और कोवैक्सीन के साथ-साथ स्पूतनिक का भी देश में उत्पादन शुरू हुआ। इसी 7 अगस्त को जॉनसन ऐंड जॉनसन की कोविड वैक्सीन को भी मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री लगातार निगरानी करते रहे और इसका परिणाम हुआ कि 10 करोड़ से 20 करोड़ का आंकड़ा पार करने में भारत को महज 45 दिन लगे। इसी तरह 20 से 30 करोड़ तक पहुंचने में सिर्फ 29 दिन, 30 से 40 करोड़ तक पहुंचने में 24 दिन और 40 करोड़ से 50 करोड़ वैक्सीन डोज में सिर्फ 20 दिन लगे। यह आंकड़ा निस्संदेह मील का पत्थर है, लेकिन हम इस गति को बनाए रखेंगे और इस वर्ष के अंत तक हरेक देशवासी को वैक्सीनेट करने में सफल होंगे।

इतनी बड़ी आबादी को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराना भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस साल के अंत तक हमारे पास लगभग 136 करोड़ वैक्सीन डोज उपलब्ध होंगे। अगस्त में लगभग 25.65 करोड़, सितंबर में 26.15 करोड़, अक्तूबर में कुल 28.25 करोड़, नवंबर में 28.25 करोड़ और दिसंबर में 28.5 करोड़ खुराक का उत्पादन होने वाला है। अन्य वैक्सीन को मान्यता देने की प्रक्रिया भी सरल बनाई गई है।

एक ओर, प्रधानमंत्री देश के 135 करोड़ लोगों की रक्षा के लिए दिन-रात काम कर रहे थे, टीकाकरण कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रहे थे, वहीं विपक्ष नकारात्मकता फैलाने में लगा था और दुष्प्रचार के जरिए जनता को गुमराह कर रहा था। कभी वैक्सीन की गुणवत्ता पर सवाल उठाया गया, तो कभी इसके साइड इफेक्ट को लेकर दुष्प्रचार किया गया। देशवासियों को गिनी पिग्स, लैब रैट्स और न जाने क्या-क्या कहा गया?

संसद के मौजूदा मानसून सत्र में जब प्रधानमंत्री ने कोविड और वैक्सीनेशन पर सर्वदलीय बैठक बुलाई, तब कांग्रेस सहित कई विपक्षी पार्टी के नेता इस बैठक में आए ही नहीं। इससे पहले भी जब-जब वैक्सीन को लेकर बैठक बुलाई गई, तो कभी छत्तीसगढ़ और बंगाल की मुख्यमंत्री बैठक में शामिल नहीं होते, तो कभी दिल्ली के मुख्यमंत्री रणनीतिक बैठक को सार्वजनिक कर देते हैं। कभी झारखंड के मुख्यमंत्री बैठक को लेकर बयान देते हैं, तो कभी पंजाब और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों का अनर्गल प्रलाप होने लगता है। यही अपने आप में कहने के लिए काफी है कि विपक्ष ने किस तरह भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को पटरी से उतारने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने देश के कोरोना वॉरियर्स की लगातार हौसला अफजाई की। उन्हीं की प्रेरणा से भारतीय जनता पार्टी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक प्रशिक्षण अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान से कोविड से लड़ रही हमारी हेल्थ सेक्टर की फ्रंटलाइन फोर्स को नई ऊर्जा भी मिलेगी और 'मेरा बूथ-कोरोना मुक्त' अभियान भी सफल होगा। अब तक इस अभियान के तहत लगभग डेढ़ लाख स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

कोरोना वायरस महामारी के दौरान हमारे डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने मानवता की जो सेवा की है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपनी जान की बाजी लगा दी। ऐसी कई कहानियां हैं, जब हमारे कोरोना वॉरियर्स ने अपनी जान की परवाह न करते हुए भी कोरोना पीड़ित लोगों की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। कई महिला डॉक्टरों व नर्सों ने मानवता की सेवा के लिए अपनी ममता की कोख को भी दांव पर लगा दिया। कई तो महीनों अपने परिवार से नहीं मिल पाए। उनके लिए मरीजों की बेहतरी ही लक्ष्य बन गया। कोरोना से मुक्त होने के बाद जब मरीजों के चेहरे पर मुस्कान खिलती, तो उनमें उन्हें आत्मसंतोष मिलता था। ऐसे सभी डॉक्टर्स, नर्स, स्वास्थ्यकर्मियों एवं इस व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में लगे फ्रंटलाइन वर्कर्स को मैं नमन करता हूं। उन्होंने हर देशवासी में यह जज्बा भरा कि चुनौती कितनी ही कठिन क्यों न हो, लेकिन अगर देशवासी ठान लें, तो हर चुनौती को परास्त किया जा सकता है।

हम सब जानते हैं कि पहले टीका भारत आने में कितने-कितने साल लग जाते थे। देश में जापानी इंसेफेलाइटिस वैक्सीन आने में वर्षों लग गए थे। इसी तरह, पोलियो और टिटनेस की वैक्सीन दुनिया में आने के कई साल बाद भारत आ पाई थी। विदेश में टीके का काम पूरा हो जाता था, तब भी हमारे देश में टीके का काम शुरू भी नहीं हो पाता था। इस बार दुनिया आश्चर्यचकित रह गई कि जो भारत वैक्सीन के लिए दुनिया के अन्य देशों पर आश्रित रहा करता था, उसने कैसे न केवल विश्वस्तरीय वैक्सीन विकसित की, बल्कि इस कार्यक्रम को देश में सफलतापूर्वक लागू भी किया, बल्कि संकट के समय दुनिया के अन्य देशों की मदद भी की। आज से पहले भारत के बारे में शायद ऐसी कल्पना भी न की जा सकती थी। यह हमारे नेतृत्व की दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा है, जो हरेक भारतवासी के लिए सुरक्षा कवच के रूप में काम कर रहा है। हम न रुकेंगे, न थकेंगे और इसी जज्बे व लगन के साथ टीकाकरण को गति देंगे। हम इस वर्ष के अंत तक देश के हर नागरिक के टीकाकरण के लक्ष्य को साकार करने में जरूर सफल होंगे।

प्रवीण कुमार सिंह

धनबल के दम पर बने जनप्रतिनिधि फैलाते हैं गंदगी

देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश महोदय के साहसिक बयानों ने आशा की एक किरण भी दिखाई है। बीते दिनों उन्होंने स्पष्ट कहा था कि, 'न्यायपालिका को एक के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्याचारी समूहों की सामूहिक शक्ति से निडर होकर लड़ने के लिए तैयार रहना होगा।' जेएस वर्मा ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 'संसद में जब तक दागी लोग बैठेंगे तब तक देश के लिए कानून बनाने की शैली और तौर-तरीकों पर विश्वास करना संभव नहीं होगा।' सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हुआ आत्मदाह कांड इसका ज्वलंत उदाहरण है। इससे सीख लेकर सुधार की पहल आरंभ की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट को भारतीय संविधान का संरक्षक माना जाता है। ऐसे में यदि उसके परिसर के समक्ष ही कोई युवती न्याय की आस में निराश होकर आत्मदाह कर ले तो यह कितनी बड़ी विडंबना कही जाएगी। पिछले महीने ऐसा ही एक भयावह मंजर देखने को मिला जब दुष्कर्म पीड़िता एक युवती और उसके साथी ने सुप्रीम कोर्ट के सामने खुद को आग के हवाले कर दिया। इससे पहले उन्होंने फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी पीड़ा भी व्यक्त की थी। इस पीड़ा में दोहरी विडंबना यह थी कि वह एक जनप्रतिनिधि द्वारा सताई गई थी और दूसरे उसे देश में न्याय के सबसे बड़े परिसर के सामने यह आत्मघाती कदम उठाने पर विवश होना पड़ा। लड़की के पिता की मौत पहले ही हो चुकी थी। परिवार में मां और एक पंद्रह साल का भाई है। उनका कोई सहारा नहीं बचा।

दिवंगत युवती छात्रसंघ राजनीति में सक्रिय थी। इसी सिलसिले में वह अतुल राय के संपर्क में आई, जो फिलहाल मऊ से लोकसभा सदस्य हैं। राय पर ही युवती ने अपने उत्पीड़न का आरोप लगाया था। यह घटना मई 2019 की है। दो माह बाद पुलिस ने आरोप-पत्र भी दाखिल कर दिया, परंतु मामला अभी भी लंबित है। वह भी तब जब निर्भया कांड के बाद ऐसे मामलों में फैसले बहुत तेजी से आने लगे थे। उनमें कुछ तो एक पखवाड़े या महीने भर में ही निपट गए।

सांसद राय की पृष्ठभूमि पर गौर करें तो वह संदिग्ध रही है। ऐसे में उन्हें मामलों को उलझाने की कला बखूबी मालूम रही होगी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ खूब कानूनी दांवपेच आजमाए। इनमें लड़की के विरुद्ध जालसाजी और हनीट्रैप का मामला दर्ज किया गया। अदालत ने इसका संज्ञान लेकर उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी कर दिया। ऐसे में 22 साल की एक

असहाय युवती के पास आत्मदाह के अलावा कोई और विकल्प नहीं रहा।

आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की एक खास फितरत होती है। वे संगीन अपराधों से अपनी हनक बनाते हैं। फिर अवैध धंधों के जरिये बाहुबली से धनपशु बन जाते हैं। उनका अगला पड़ाव बनती है राजनीति, ताकि उनके आपराधिक साम्राज्य को संरक्षण मिल सके। यह खराब चलन पिछले कुछ समय में ही आम हुआ है। उससे पहले अधिकांश अपराधियों को या तो सजा हो जाती थी या वे मुठभेड़ में मार गिराए जाते थे। अपराधियों की हनक पर पुलिस का इकबाल भारी पड़ता था। राजनीतिक दल भी अपराधियों से कुछ दूरी बनाकर चलते, लेकिन पिछली सदी के अंतिम दशक से राजनीति की इस गरिमा में गिरावट आरंभ हो गई। इसका ही परिणाम है कि आज 43 प्रतिशत से अधिक जनप्रतिनिधियों पर गंभीर मामले दर्ज हैं। जब तक ऐसे जघन्य अपराधियों के संसद और विधानसभा पहुंचने पर अंकुश नहीं लगेगा, तब तक ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहेगी जैसी बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के सामने घटी।

दिसंबर 2012 में दिल्ली में घटित वीभत्स निर्भया कांड के बाद केंद्र सरकार ने जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति बनाई थी। उन्हें देश के आपराधिक कानूनों की समीक्षा कर सुझाव देने को कहा गया था कि उनमें क्या सुधार किए जाएं कि दुष्कर्म जैसे अपराधों में त्वरित कार्रवाई कर कठोर सजा दी जा सके। उनकी रिपोर्ट पर कुछ छोटे-मोटे सुधार भी हुए, परंतु उनका भी कोई विशेष प्रभाव नहीं दिख रहा। जस्टिस वर्मा की रिपोर्ट में चुनाव सुधारों पर अलग से एक महत्वपूर्ण अध्याय था, जिस पर खास ध्यान नहीं दिया गया। स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर संसद ने राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ एक कानून अवश्य पारित किया था, लेकिन उसके क्या परिणाम निकले यह किसी से छिपा नहीं।

ऐसे में केंद्रीय चुनाव आयोग के पास कुछ विशिष्ट अधिकार तो होने ही चाहिए। जैसे कि उक्त मामले में ही जब सांसद अतुल राय निर्वाचित होने के बाद भी किसी न्यायालय से जमानत न मिलने के कारण शपथ ही नहीं ले पा रहे थे, तो आयोग उनके आपराधिक इतिहास की छानबीन करता और यह पता लगाता कि उन्हें किसी राजनीतिक दल से टिकट कैसे मिल गया। अगर मात्र धनबल-बाहुबल के आधार पर टिकट दिया गया तो संबंधित दल पर कुछ वर्षों के लिए उसका सिंबल निलंबित करने की कार्रवाई की जाती या इस आशय का कोई नोटिस दिया जाता।

दरअसल, धनबल के दम पर बने जनप्रतिनिधि समाज से लेकर सरकारी तंत्र में गंदगी फैलाते हैं। इस मामले में शुचिता बनाए रखना सरकार और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। जबकि ऐसी कोई पहल अदालत को ही करनी पड़ती है। गत वर्ष हुए बिहार विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों का आपराधिक इतिहास न प्रकाशित करने/या आयोग को सूचना न देने पर सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय की एक बेंच ने स्पष्ट रूप से कहा था, 'अपराधीकरण रोकने के लिए सरकार ने न कुछ किया और न कुछ करेगी।' बाद में उसने दोषी पार्टियों पर पांच-पांच लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया। वहीं, सियासी दलों का तो यह हाल है कि अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक पार्टी प्रदेश के हर जिले में फूलन देवी की प्रतिमा स्थापित करना चाहती है। वह भी तब जब उनके हिंसक अतीत के बारे में सभी जानते हैं। इसी प्रकार कानपुर के कुख्यात बिकरू कांड के आरोपित विकास दुबे के इर्दगिर्द भी जातीय अस्मिता का विमर्श खड़ा कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हो रही है। जबकि सभी जानते हैं कि दुबे से उसकी जाति के लोग भी कम आतंकित नहीं थे।

इससे स्पष्ट है कि राजनीतिक परिदृश्य की सफाई का बीड़ा उच्चतम न्यायालय को ही उठाना पड़ेगा। आखिर देश में कानून का राज स्थापित करना उसी की नैतिक जिम्मेदारी है। संविधान ने इसीलिए उसे इतना शक्तिशाली बनाया है। देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश महोदय के साहसिक बयानों ने आशा की एक किरण भी दिखाई है। बीते दिनों उन्होंने स्पष्ट कहा था कि, 'न्यायपालिका को एक के अधिकारों की रक्षा के लिए अत्याचारी समूहों की सामूहिक शक्ति से निडर होकर लड़ने के लिए तैयार रहना होगा।' जेएस वर्मा ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि 'संसद में जब तक दागी लोग बैठेंगे तब तक देश के लिए कानून बनाने की शैली और तौर-तरीकों पर विश्वास करना संभव नहीं होगा।' सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हुआ आत्मदाह कांड इसका ज्वलंत उदाहरण है। इससे सीख लेकर सुधार की पहल आरंभ की जानी चाहिए।

तालिबान की पैरवी करने वालों का हर स्तर पर, हर तरह से होना चाहिए विरोध

भारत एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी गणराज्य है। इमरजेंसी के दौरान संविधान की संशोधित प्रस्तावना में यही तो लिखा है, मगर देश में अक्सर धर्मनिरपेक्षता और इस्लाम दोनों एक साथ खतरे में पड़ जाते हैं। दुनिया में करीब 52 इस्लामिक देश हैं। कोई धर्मनिरपेक्ष नहीं है। इसके बावजूद इस्लाम कहीं खतरे में नहीं है। भारत में इस्लामिक राज नहीं है इसलिए धर्मनिरपेक्षता और इस्लाम के खतरे में होने का नारा जब तब क्यों बुलंद किया जाता है? उसका एक ही मकसद है इस्लाम की बुराइयों पर पर्दा डालना।

आप इस्लामिक आतंकवाद का मुद्दा उठाइए तो फरजी हिंदू आतंकवाद का विमर्श खड़ा कर दिया जाता है। दुनिया में हिंदू बहुल देश तो भारत और नेपाल ही हैं। फिर पूरी दुनिया इस्लामिक आतंक से क्यों परेशान है। ये जो तमाम आतंकी संगठन दुनिया में हैं क्या ये कथित हिंदू आतंकवाद के जवाब में बने हैं। भारत में कथित धर्मनिरपेक्ष लोगों की एक बिरादरी है जो इस्लाम और आतंकवाद के बचाव में हिंदू विरोधी अभियान चलाती है। दुनिया की बात फिलहाल छोड़ देते हैं और सिर्फ भारत की बात करते हैं। भारत पर बहुत आक्रमण हुए। पहले मुस्लिम शासकों और फिर ईसाई शासकों ने देश की संस्कृति यानी हिंदू-सनातन संस्कृति को खत्म करने की कोशिश की, परंतु कभी कर नहीं पाए। कोई तो कारण होगा।

भारतीय संस्कृति कहें, हिंदू संस्कृति कहें या सनातन, इसकी अंतर्निहित शक्ति है सहिष्णुता और समावेशी होना। जितने मजहब भारत में हैं, उतने दुनिया के किसी देश में नहीं। मुस्लिम शासकों ने तमाम मंदिर तोड़े, जबरन मतांतरण करवाया, हत्या और दुष्कर्म सहित तमाम जुल्म किए। इसके बावजूद हिंदुओं को असहिष्णु कहना प्रायोजित एजेंडे के अलावा और क्या है। ये लोग इतिहास से भी कोई सबक नहीं लेते। हिंदू असहिष्णुता का विमर्श खड़ा करके ये लोग हिंदुओं से ज्यादा मुसलमानों का नुकसान कर रहे हैं। मुसलमानों को यह अहसास ही नहीं होने देते कि उन्हें किन सुधारों की जरूरत है। मुस्लिम समुदाय की दूसरी समस्या यह है कि उसके खैरख्वाह और मुल्ला-मौलवी उसे अतीत के अंधेरे से निकलकर वर्तमान की रोशनी में आने ही नहीं देते। इससे सुधार की गुंजाइश नहीं बचती। दरअसल सनातन धर्म और इस्लाम में एक बड़ा फर्क यह है कि सनातन धर्म के लोगों ने समय के साथ आंतरिक सुधार किए। जाति प्रथा को खत्म करने का अभियान समाज के भीतर से ही चला। जब दुनिया के तमाम देश और मजहब महिलाओं को बराबरी का हक देने के बारे में विचार कर रहे थे, सनातन संस्कृति में महिलाओं को बराबरी ही नहीं, बल्कि सम्मान का दर्जा हासिल था। समय-समय पर इसमें बुराइयां आती रहीं तो साथ ही साथ उनमें सुधार का अभियान भी चलता रहा। उसी का नतीजा है कि भारत की बेटियां जीवन के हर क्षेत्र में देश और समाज का नाम रोशन कर रही हैं।

इसके विपरीत इस्लाम के अनुयायियों को देखिए। देश में जमात-ए-इस्लामी नाम का एक बड़ा संगठन है। उसके मुखिया हैं अरशद मदनी। अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद वह जोश में आ गए हैं। कह रहे हैं कि लड़कियों और लड़कों के स्कूल और कालेज अलग-अलग होने चाहिए। दोनों के साथ पढ़ने से समाज में खराबी आती है। इस संगठन के एक वकील भी हैं। वह एक कदम आगे बढ़ गए। कहा कि लड़के और लड़कियां आग और लकड़ी की तरह हैं। अब आप ही सोचिए कि इनके और तालिबान के सोच में क्या अंतर है? तालिबान की तो पैदाइश ही इसी सोच का नतीजा है। और इनकी? ये तो एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, जनतांत्रिक गणराज्य में पैदा हुए। उसी में पले बढ़े हैं। फिर भी इनके सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। अलग स्कूल-कालेज में ये लड़कियों को मजहबी तालीम देना चाहते हैं। वही तालीम जिससे इनकी ऐसी मानसिकता बनी है।

धर्मनिरपेक्षता के अलंबरदारों से एक सवाल है। दुनिया के किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश में मदरसे क्यों होने चाहिए। मदरसों से कौन और कैसे लोग निकल रहे हैं, यह पूरी दुनिया जानती है। हर आतंकी संगठन का उनसे कोई न कोई संबंध क्यों निकल आता है। इन सवालों पर मुस्लिम समाज को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि मदरसों के पक्ष में खड़े होने वाले उनके दोस्त नहीं, बल्कि दुश्मन हैं। उन्हें आपके मजहब या आपके जीने-मरने से कोई मतलब नहीं है। उन्हें सिर्फ आपके वोट से मतलब है। राजनीतिक दलों में कांग्रेस पार्टी इसमें अग्रणी है।

आजादी के आंदोलन के दौरान कांग्रेस को हिंदू पार्टी समझा जाता था। आजादी के बाद वह धर्मनिरपेक्ष हो गई। उसकी धर्मनिरपेक्षता हिंदू विरोध की जमीन पर खड़ी है। नतीजा यह हुआ कि आज कांग्रेसी ही कह रहे हैं कि उनकी पार्टी मुस्लिमपरस्त हो गई है। जब हिंदू पार्टी थी तो आजादी दिलाने का श्रेय मिला और मुस्लिमपरस्त दल की पहचान से हाशिये पर सिमट रही है। कांग्रेस और लेफ्ट लिबरल बुद्धिजीवी कमोबेश वही कर रहे हैं जो औरंगजेब ने किया। रामधारी सिंह दिनकर ने 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक में लिखा है, 'पृथकता की जिस भावना की बाढ़ ने 1947 में आकर भारत के दो टुकड़े बना दिए, उस भावना का जोरदार प्रचार शेख अहमद सरहिंदी ने आरंभ किया था। बदकिस्मती की बड़ी बात यह हुई कि औरंगजेब का गुरु शेख सैफुद्दीन इसी सरहिंदी का पौत्र था। अतएव, शेख सरहिंदी के दर्शन को कार्य का रूप देने का बीड़ा औरंगजेब ने उठाया और प्रेम के बदले घृणा का प्रचार करके उसने मुगल राज्य की नींव उखाड़ दी।'

यह कैसी सरकार

अफगानिस्तान में तालिबान ने आखिर सरकार गठित करने की घोषणा कर दी। हालांकि यह अंतरिम सरकार बताई जा रही है, लेकिन इससे भी अफगानिस्तान के नए निजाम के रंग-ढंग के काफी संकेत मिलते हैं। सरकार गठन को लेकर काबुल में चल रही रस्साकशी संबंधी खबरों की पुष्टि इस बात से भी होती है कि मौलाना हैबतुल्ला अखुंदजादा को सुप्रीम लीडर का स्थान देने की बात फिलहाल टालनी पड़ी है। हालांकि नए प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद उनके करीबी माने जाते हैं।

दिलचस्प है कि अफगानिस्तान के इस नए प्रधानमंत्री का नाम संयुक्त राष्ट्र की लिस्ट में आतंकवादी के रूप में दर्ज है। सिर्फ उन्हीं का नहीं इस मंत्रिमंडल में अहम जिम्मेदारी संभालने वाले ज्यादातर सदस्यों के नाम या तो आतंकी सूची में हैं या उन पर इनाम घोषित हैं। इन सबसे हटकर, सिर्फ तालिबान के नजरिए से देखा जाए तो भी उनके इस वादे की धज्जियां उड़ती दिखाई देती हैं कि अब नए दौर में वे ज्यादा खुलेपन से और सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करते हुए आगे बढ़ेंगे। इस्लामी कानूनों के खांचे में ही सही, पर महिलाओं को सारे अधिकार देने की बात करने वाले तालिबान इस 33 सदस्यीय कैबिनेट में महिलाओं के लिए एक भी स्थान नहीं निकाल सके। इन 33 में से 30 पश्तून ही हैं।

जाहिर है, अन्य समुदायों को सत्ता में नुमाइंदगी देने की बात जुबानी जमाखर्च से आगे नहीं बढ़ सकी है। भारत और अन्य देशों के लिहाज से सबसे बड़ी बात यह है कि इस कथित सरकार पर आम तौर पर उग्र कट्टरपंथी धड़े का और खास तौर पर पाकिस्तान की आईएसआई का दबदबा साफ नजर आता है। दोहा में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से समझौता वार्ता चला रहे और कतर में तालिबान की राजनीतिक शाखा के प्रमुख रहे मुल्ला अब्दुल गनी बारादर का उपप्रधानमंत्री पद स्वीकार करने के लिए मजबूर होना बताता है कि सरकार में इस ग्रुप की हैसियत कम हो गई है। इसी ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को तमाम आश्वासन दिए थे। यह सूचना भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री पद पर बैठाए गए शख्स ने ही 2001 में बामियान की बुद्ध मूर्ति को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया था।

आंतरिक मामलों के मंत्री बनाए गए सिराजुद्दीन हक्कानी न केवल हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख हैं और आईएसआई से करीबी के लिए जाने जाते हैं बल्कि काबुल में भारतीय दूतावास पर 2008 में हुए हमले के अलावा भारतीयों और भारतीय हितों पर किए जाने वाले अनेक हमलों में उनका हाथ माना जाता रहा है। एक सच यह भी है कि तालिबान की इस नई सरकार को अब नई परिस्थितियों में कठिन चुनौतियों से निपटते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे में यह देखने वाली बात होगी कि पुरानी छवि, पुराने चेहरों और आईएसआई मार्का पुराने प्रभावों से ग्रस्त यह नई सरकार कैसा और कितना नया कर पाती है।

अफगान की जंग में न तो निर्णायक विजय प्राप्त हुई और न ही मिली सम्मानजनक विदाई

अफगानिस्तान का पतन अमेरिकी विदेश नीति का महत्वपूर्ण संकट है और इसके लिए बाइडन ही पूरी तरह जिम्मेदार हैं। जिस देश को 9-11 के आतंकी हमले के बाद घरेलू और बाहरी स्तर पर अप्रत्याशित समर्थन मिला था उसके दो दशक बाद वहां जबरदस्त विभाजन देखने को मिल रहा है। इस विभाजन का कारण उसका नेतृत्व ही है जो अपनी अक्षमता और अदूरदर्शिता के कारण खतरे को भांप नहीं पाया। संभव है कि काबुल में अमेरिकी पैठ पूरी तरह समाप्त न हो, परंतु अमेरिका ने दक्षिण एशिया को जिस आतंकी की भट्टी के मुहाने पर बिठा दिया है उसके बाद वाशिंगटन को विश्व स्तर पर सक्रियता के लिए कुछ नए तौर-तरीके ईजाद करने होंगे।

मेजर जनरल क्रिस डोनाहुए अमेरिकी इतिहास में हमेशा याद किए जाएंगे। सोमवार देर रात जब अमेरिका अपने इतिहास की सबसे लंबी लड़ाई के बाद काबुल एयरपोर्ट से सैन्य वापसी के अध्याय का समापन कर रहा था तो डोनाहुए विमान में सवार होने वाले अंतिम अमेरिकी सैनिक थे। इसके साथ ही अफगानिस्तान में दो दशक तक चले अमेरिकी अभियान पर भी पूर्ण विराम लग गया। अमेरिका के लिए इस जंग का नतीजा यही निकला कि उसे न तो निर्णायक विजय प्राप्त हो पाई और न ही उसके नसीब में सम्मानजनक विदाई आई। अफगानिस्तान से पलायन के अंतिम दिनों में काबुल एयरपोर्ट सहित अफगानिस्तान के तमाम इलाकों में जो मंजर सामने आया वह अमेरिका के महाशक्ति वाले दर्जे की धज्जियां उड़ाने वाला साबित हुआ।

गत सप्ताह काबुल एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले के बाद प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के झुके हुए कंधे जता रहे थे कि उनके लिए यह कितनी शर्मिंदगी का सबब बन गया है। नेताओं के जीवन में कई क्षण ऐसे आते हैं जो उनकी छवि के लिए निर्णायक बन जाते हैं। बाइडन के लिए अफगानिस्तान से विदाई इसका पड़ाव बनी। उनकी अफगान नीति दुविधा और अक्षमता का पर्याय बन गई। इसके संकेत मिलने भी लगे हैं। करीब 90 से अधिक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने अफगान के हालात को लेकर रक्षा मंत्री और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के इस्तीफे की मांग की है। अमेरिका के इतिहास में यह अप्रत्याशित है। इससे बाइडन प्रशासन पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। बाइडन विमर्श पर भी अपनी पकड़ खोते गए। उनकी टीम को समझ नहीं आया कि आखिर क्या किया जाए।

अफगानिस्तान से गरिमा के साथ विदाई सुनिश्चित कराने में वाशिंगटन की अक्षमता भविष्य की वैश्विक राजनीति में अमेरिकी किरदार को बहुत गहराई से प्रभावित करेगी।

यह सही है कि काबुल एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले के दोषियों को दंडित करने के लिए अमेरिका ने उसकी जिम्मेदारी लेने वाले आइएस-खुरासान के ठिकानों पर हमले किए, मगर इसमें तालिबान के प्रति हमदर्दी और पैरवी किसी विडंबना से कम नहीं थी। वह भी तब जब धमाकों की शैली वैसी ही थी जैसी अतीत में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क आजमाते आए हैं। दरअसल अफगानिस्तान में आतंकियों को सत्ता सौंपने के बाद अमेरिका के लिए बस 'अच्छे' और 'बुरे' आतंकी का विभेद करना शेष रह गया है। अब उसे तालिबान उदार लगता है, जो उसके अनुसार हिंसक गतिविधियों से माहौल बिगाड़ने में लगे आइएस-खुरासान जैसे धड़ों के खिलाफ संघर्षरत है। आइएस-खुरासान का अल बगदादी से कोई वास्ता नहीं। वह तो तालिबान और उन अन्य कट्टरपंथी समूहों का ही एक असंतुष्ट धड़ा है, जिन्हें पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने पाला-पोसा। पूरी दुनिया यह जानती है, मगर अमेरिका ने अर्से से तथ्यों को अनदेखा कर शुतुरमुर्गी रवैया अपनाने की आदत डाल ली है।

काबुल एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले की कालावधि गौर करना भी जरूरी है। यह अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआइए के मुखिया के गुप्त काबुल दौरे के बाद हुए। उस दौरे में सीआइए मुखिया ने तालिबान से अमेरिकियों की सुरक्षित वापसी की कार्ययोजना और 'आतंक विरोधी' अभियान में तालिबान के साथ मिलकर काम करने की बाइडन प्रशासन की तत्परता पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बाकायदा कहा कि ऐसे संगठन के साथ अमेरिकी सरकार काम कर सकती है। यह बात अलग है कि तालिबान जैसा संगठन आतंकित करके ही शासन चला सकता है। उनके पास शासन-प्रशासन का कोई एजेंडा नहीं है। उनके पक्ष में जबरदस्त माहौल बनाने की कवायद के बावजूद उनकी करतूतें पहले से ही दिखने लगी हैं। तालिबान की सभी मांगों के समक्ष वाशिंगटन का झुकना और इस आतंकी समूह को एक तरह की क्लीन चिट देना बाइडन प्रशासन की बेताबी को ही दर्शाता है जो स्वयं द्वारा फैलाई गई गंध को समेटने के लिए संघर्ष करता दिख रहा है।

अमेरिका ने न केवल एक आतंकी समूह को अफगानिस्तान की वैध सरकार के रूप में स्थापित कर दिया, बल्कि उन्हें 21.2 करोड़ डालर के सैन्य विमान, वाहन और हथियार भी उपहार में दे दिए। बाइडन ने सत्ता में आने से पूर्व संकेत दिए थे कि वह बहुपक्षीयता के मुद्दे पर काम करेंगे, परंतु उन्होंने अफगानिस्तान से वापसी का फैसला एकतरफा किया। इससे अमेरिका के सहयोगी ठगे से रह गए। वापसी की प्रक्रिया के दौरान भी अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए। इतना ही नहीं उसने आम अफगान नागरिकों को आतंक के साये में रहकर नारकीय जीवन जीने के लिए छोड़ दिया है। दो दशकों के इस संघर्ष के दौरान अमेरिका ने पाकिस्तान के दोहरे रवैये पर वार करने में हिचक दिखाई, जबकि पाकिस्तान ही अफगानिस्तान में अलगाववाद की हवा को आग देता रहा।

वही अब यह माहौल बनाने में लगा है कि तालिबान का रवैया बदला है। अपने पिट्ठू तालिबान के जरिये पाकिस्तान ने अमेरिका का सामना एक शर्मनाक पराजय से कराया। इस पाकिस्तानी दांव से दक्षिण एशिया में आतंक और हिंसा की हांडी में भी लगातार उबाल आता रहेगा। वैसे भी तालिबान जैसा अतिवाद और आतंक कुछ सीमाओं में नहीं बंधा रह सकता। कुछ ही दिनों में तालिबान ने पहले जैसे तेवर दिखाने शुरू भी कर दिए हैं। तालिबान एक आतंकी संगठन ही है जो अपने वैचारिक विस्तार में जुटा है। ऐसे में उससे अन्य आतंकी समूहों पर अंकुश की अपेक्षा रखकर अमेरिकी नीति-नियंताओं ने अपनी जनता के साथ सबसे बड़ा मजाक किया है। जहां तक आम अफगानों का प्रश्न है तो उनके देश में आज जो कुछ हो रहा है वह पाकिस्तानी घुसपैठ का ही एक और प्रयास है जिसमें तालिबान उसका मोहरा है। अफगानिस्तान का पतन अमेरिकी विदेश नीति का महत्वपूर्ण संकट है और इसके लिए बाइडन ही पूरी तरह जिम्मेदार हैं। जिस देश को 9-11 के आतंकी हमले के बाद घरेलू और बाहरी स्तर पर अप्रत्याशित समर्थन मिला था उसके दो दशक बाद वहां जबरदस्त विभाजन देखने को मिल रहा है। इस विभाजन का कारण उसका नेतृत्व ही है जो अपनी अक्षमता और अदूरदर्शिता के कारण खतरे को भांप नहीं पाया। संभव है कि काबुल में अमेरिकी पैठ पूरी तरह समाप्त न हो, परंतु अमेरिका ने दक्षिण एशिया को जिस आतंकी की भट्टी के मुहाने पर बिठा दिया है उसके बाद वाशिंगटन को विश्व स्तर पर सक्रियता के लिए कुछ नए तौर-तरीके ईजाद करने होंगे।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

एडी-चोटी का जोर लगाने के बाद भी रायपुर के साइंस कालेज को फिर बी ग्रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रमुख कालेजों में से एक रायपुर के शासकीय नागार्जुन विज्ञान स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय यानी साइंस कालेज को बी ग्रेड स्कोर 2.34 हासिल हुआ है। पिछले अगस्त में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) की टीम रायपुर आई थी। ए ग्रेड पाने के लिए साइंस कालेज प्रबंधन ने एड़ी-चोटी बल लगाया था। उम्मीद दी कि पांच साल बाद कालेज की गुणवत्ता सुधरेगी, लेकिन एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। पिछली बार भी साइंस कालेज को बी ग्रेड हासिल हुआ था।

1948 से चल रहा है साइंस कालेज- साल 1948 से संचालित कालेज को अब तक बी प्लस ग्रेड ही मिला है। इस बार उम्मीद थी कि कम से कम ए ग्रेड मिल जाएगा। कालेज में इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइलिंग, शिक्षा प्रबंधन आदि को लेकर न सिर्फ बेहतर तैयारी की थी, बल्कि प्रेजेंटेशन भी बेहतर करने का दावा किया गया था। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभी अध्ययनशालाओं में सत्र 2021-22 के लिए आनलाइन माध्यम से प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाना है। विश्वविद्यालय में सभी अध्ययनशालाओं में विभिन्न प्रकार के कोर्स चल रहे हैं। इन सभी कोर्सो के लिए आनलाइन माध्यम से 14 से 17 सितंबर को परीक्षा आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा कुल सात पालियों में होगी। मंगलवार को दोपहर 12 से एक बजे तक एमएससी केमेस्ट्री और एमएससी एनवायरमेंटल साइंस की परीक्षा होगी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने 2021 के बीए और एमए समाजशास्त्र का परिणाम जारी कर दिया है। कोरोना महामारी के कारण इस बार परीक्षार्थी को घर में बैठकर ही परीक्षा दी थी। फिर भी सैकड़ों परीक्षार्थी फेल और पूरक आए है। जानकारी के अनुसार बीए पार्ट एक प्राइवेट में मार्च-अप्रैल 2021 के परीक्षा में कुल 19269 परीक्षार्थी ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसमें 18563 उत्तीर्ण, 200 अनुत्तीर्ण, 394 पूरक, 112 का परिणाम रोके गए है। परीक्षा में 270 अनुपस्थित थे। इसी तरह बीए पर्ट एक में रेगुलर मार्च-अप्रैल 2021 में 8693 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसमें 8351 उत्तीर्ण, 98 अनुत्तीर्ण, 244 पूरक आए। परीक्षा में सात अनुपस्थित थे। एमए समाजशास्त्र फाइनल मार्च-अप्रैल 2021 में 2576 परीक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसमें 2564 उत्तीर्ण, 9 अनुत्तीर्ण, 3 का परिणाम रोके गए है।

करंट की चपेट में आने से दंपती की मौत, गया के मानपुर में हुआ हादसा; घर में मचा कोहराम

मानपुर (गया)। गया के बुनियादगंज थाना के गेरे बधार में भिंडी तोड़ने गए पति-पत्नी की मौत बिजली प्रवाहित तार के चपेट में आने से बुधवार की सुबह हो गया। मृतकों की पहचान गोपाल लेन के रहने वाले करीब 45 वर्षीय संजय प्रसाद उर्फ श्याम बाबू एवं उनकी 42 वर्षीय ममता देवी के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया। उनके बच्चों का रो-रो कर हाल बुरा हो रहा है। मोहल्ले वासियों का कहना है कि संजय की जमीन गेरे बधार में है। उसमें भिंडी लगाए हुए थे। जो तैयार है। प्रतिदिन पति-पत्नी भिंडी तोड़ने जाते थे। बुधवार को भी दोनों भिंडी तोड़ने गए थे। जहां खेत में 440 वोल्ट प्रवाहित होने वाला तार गिरा हुआ था। उसके चपेट में संजय आ गया। जब वह चिल्लाया तो पत्नी बचाने गई तो वह भी बिजली प्रवाहित तार के चपेट में आ गई। इस दृश्य को देख कुछ दूर पर रही एक महिला ने बचाओ-बचाओ कर चिल्लाना शुरू कर दी। तब जाकर वहां आसपास के लोग जुटे। आनन फानन में बिजली काटी गई, फिर पत्नी को चिकित्सक के पास ले जाया गया। जहां के चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पहुची। उसके बाद कागजी प्रक्रिया पुरा कर पति-पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेजा गया। गौरतलब है कि दो साल पहले पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र स्थित राजवंशी नगर हनुमान मंदिर के पुजारी और उनकी पत्नी की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब मंगलवार के दिन पुजारी मंदिर का दरवाजा खोलने जा रहे थे। सड़क पर पानी भरा था। उसी में बिजली की करंट दौड़ता तार गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर पुजारी की मौत हो गई। पीछे से उनकी पत्नी आ रही थीं। वह भी काल के गाल में समा गईं।

शर्मनाक: शिक्षक ने पहले छात्रा को प्यार के जाल में फंसाया, फिर किया वीडियो वायरल, गया में केस दर्ज

गया। ज्ञान की भूमि बोधगया में यह शर्मनाक घटना सामने आई है। शिक्षक ने गुरु-शिष्य के रिश्ते को शर्मसार किया है। कोचिंग में पढ़ने वाले शिक्षक का छात्रा के साथ यौन शोषण का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के बयान पर मंगलवार को महिला थाना में शिक्षक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिक दर्ज होने के उपरांत महिला थाना की पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल जांच कराया है। बुधवार को गया कोर्ट में पीड़िता का मेडिकल जांच कराया जाएगा।

प्यार के जाल में फंसाया-मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक ने छात्रा को पहले प्यार के जाल में फंसाया। उसके बाद छात्रा के साथ जबरदस्ती संबंध बनाया। शिक्षक ने इसका वीडियो बना लिया और बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार ने बताया कि बोधगया बाजार के एक कोचिंग सेंटर के एक शिक्षक ने वहां पढ़ने वाली 10वीं कक्षा की एक छात्रा को पहले अपने प्यार के जाल में फंसाया फिर उसका यौन शोषण किया। पीड़िता ने यौन शोषण का आरोप लगाकर एफआइआर दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के बयान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। युवती का मेडिकल जांच करा लिया गया है। बुधवार को कोर्ट में उसका 164 का बयान दर्ज कराया जाएगा। एसएसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

झारखंड कैबिनेट में 17 प्रस्ताव स्वीकृत, गिरिडीह बनेगा सोलर सिटी

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक आज मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन सचिवालय में हुई। इस बैठक में 17 प्रस्तावों को स्वीकृति मिली है। सरकार कोविड काल में शराब बिक्री नहीं होने से टैक्स में छूट देगी। खनन क्षेत्र में सड़कों पर चलने वाले वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। इससे सरकार को 700 करोड़ की आमदनी होगी। गिरिडीह सोलर सिटी बनेगा। पारसनाथ पर्यटन स्थल होने के कारण गिरिडीह को सोलर सिटी बनाया जाएगा। सोलर सिटी बनने के बाद गिरिडीह जिले के लोग अपने घरों में बिजली से जुड़े कार्य के लिए सोलर पावर का उपयोग करेंगे। यह कार्य ज्रेडा द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। गिरिडीह में कुल 29858 विद्युत कनेक्शन हैं। इसकी कुल क्षमता 41 मेगावाट है। दूसरी ओर रांची, धनबाद, जमशेदपुर, देवघर एवं बोकारो को दूसरे चरण में सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की मार्ग-निर्देशिका के आलोक में गिरिडीह शहर का सोलर सिटी के रूप में चयन करते हुए विकसित करने के लिए 80.75 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसके तहत रूफटाप पावर प्लांट बिना बैटरी के लिए केंद्रांश 40 प्रतिशत एवं राज्यांश 60 प्रतिशत के फार्मूले पर काम शुरू होगा। योजनाओं के लिए राज्यांश के तौर पर 3.75 करोड़ रुपये जेरेडा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीण मार्गों का किया लोकार्पण व शिलान्यास, बोले- मजबूत होगी गांवों की आर्थव्यवस्था

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ग्रामीण मार्गों का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि सड़क आवागमन के माध्यम ही नहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। दुनिया में जो भी देश विकसित हैं उसके पीछे उनका मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां ज्यादातर आबादी गावों में रहती है, वहां यदि आवागमन के अच्छे मार्ग नहीं होंगे तो स्वाभाविक रूप से वहां की आर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी। इसके लिए अच्छी सड़कें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

ग्रामीण मार्गों के निर्माण कार्य का शुभारंभ व नवीनीकरण कार्य का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिला पंचायत की 537.82 किलोमीटर मार्गों को हाट मिक्स प्लांट के माध्यम से बनाया जा रहा है। पहले जिस पद्धति सड़कें बनती थी वह सस्ती तो थी लेकिन टिकाऊ नहीं होती थी, लेकिन अब जिस तकनीक से सड़कें बन रही हैं वे टिकाऊ और मजबूत हैं। गांवों के लोग ज्यादा समय तक इन सड़कों का लाभ ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन मार्गों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखने और समयबद्धता के लिए स्टेट क्लालिटी मानीटर भी तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए धन का अभाव नहीं हैं, लेकिन धन समय पर और सही जगह खर्च हो, यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिलों से अच्छे और खराब दोनों कार्यों की शिकायतें मुझे मिलती हैं। इसी का परिणाम हैं कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जरूरत पड़ने भ्रष्टाचार के मामलों में मुकदमा भी दर्ज किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जिन स्थानों पर सही प्रकार से समीक्षा होती हैं वहां की सड़कें अच्छी होती हैं। लेकिन, जहां इस कार्य में लापरवाही बरती जाती है वहां की सड़कों में गड्ढे बन जाते हैं। इस लिए हमें ध्यान देना होगा कि भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान कहीं पर भी न रहे। ठेकेदारों का अनावश्यक तरीके से भुगतान न रोका जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि ग्राम्य विकास विभाग और पंचायतीराज विभाग बहुत जल्द गांवों के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए मातृ भूमि योजना लाने वाले हैं।

कांग्रेस का टिकट चाहिए तो 11 हजार रुपये के साथ करिए आवेदन, सर्कुलर जारी

लखनऊ। अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट के लिए आवेदन करने वालों को पार्टी को 11 हजार रुपये देना होगा। कांग्रेस पार्टी चुनाव के टिकट के आवेदकों से यह रकम सहयोग राशि के रूप में लेगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मंगलवार को इस बाबत सर्कुलर जारी कर दिया है।

जारी सर्कुलर में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के लिए आवेदन पत्र जमा करने के लिए जिला मुख्यालय पर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों और प्रदेश स्तर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जनशिकायत प्रकोष्ठ के सचिव संजय शर्मा व लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय बहादुर को अधिकृत किया गया है। सभी आवेदक जिला व प्रदेश स्तर पर इन अधिकृत लोगों के पास अपना आवेदन पत्र 11 हजार रुपये की सहयोग राशि के साथ 25 सितंबर तक जमा कर सकते हैं।

यह सहयोग राशि उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के नाम चालू खाते में जमा होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि टिकट के लिए आवेदन करने वालों से यह राशि पार्टी फंड में सहयोग के तौर पर ली जाएगी। यह पार्टी का फैसला है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऐसा हो चुका है। गौरतलब है कि बीती 10 सितंबर को लखनऊ प्रवास के दौरान कांग्रेस महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका वाड्रा की एडवाइजरी कमेटी के साथ बैठक में यह मुद्दा उठा था। सूत्रों के अनुसार बैठक में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया था कि पार्टी का टिकट चाहने वालों से एक निश्चित धनराशि ली जाए ताकि सिर्फ वही लोग आवेदन करें जो चुनाव लड़ने के लिए गंभीर हैं। हालांकि, बैठक में कुछ सदस्यों ने यह कहते हुए इसका विरोध किया था कि यह कांग्रेस की परंपरा नहीं रही है।

यदि टिकट के आवेदकों से रकम ली जाएगी तो इसके अलग-अलग अर्थ निकाले जाएंगे। पुराने कांग्रेसियों ने बताया कि पूर्व में टिकट के आवेदकों से 5000 रुपये तक लिये गए थे।

यूपी की खस्ताहाल सड़कों पर बसपा सुप्रीमो मायावती चिंतित, बोलीं- आम जनजीवन बेहाल, कुछ करे सरकार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश की खस्ताहाल सड़कों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने यूपी सरकार को सलाह दी है कि सड़कें लोगों की बुनियादी जरूरत और विकास से जुड़ी हैं। अब तो राज्य की सड़कों की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई हैं कि लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि सड़कों में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। सरकार को प्रदेश की खराब सड़कों के रखरखाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि यूपी में कानून और स्वास्थ्य व्यवस्था की तरह ही यहां के सड़कों की भी दुर्दशा व खस्ताहाली से आमजनजीवन काफी बेहाल है। गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क हादसों और इस कारण होने वाली दर्दनाक मौतों की खबरों से अखबार भरे पड़े हैं। यह अति दुःखद और सरकार की विफलता का जीता-जागता प्रमाण है।

बीएसपी चीफ मायावती ने यूपी सरकार सलाह देते हुए आगे ट्वीट में लिखा कि सड़कें लोगों की बुनियादी जरूरत और विकास से विशेषतः जुड़ी हुई हैं। इनके बारे में भी सरकार चाहे जितने भी नारे और दावे कर ले लेकिन यूपी के सड़कों की हालत फिर से इतनी ज्यादा खराब हो गई हैं कि लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि सड़कों में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में 19 नए कोरोना वायरस से संक्रमित मिले, अब 182 एक्टिव केस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों के दौरान कोविड की जांच में 19 नए संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। बुधवार को मात्र नौ जिलों में ही नए मरीज मिले। इसी अवधि में 16 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। अब राज्य में वर्तमान में 182 संक्रमितों का उपचार हो रहा है। अब प्रदेश के 34 जिले ऐसे हैं जहां कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। ये जिले अब कोविड संक्रमण से मुक्त हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टीम-9 के अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के मंत्र से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। प्रदेश में अब तक 16 लाख 86 हजार 538 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। यह सतर्कता और सावधानी बरतने का समय है। थोड़ी सी लापरवाही संक्रमण को बढ़ाने का कारक बन सकती है। प्रयासों से कोरोना की दूसरी लहर पर बने प्रभावी नियंत्रण के बीच प्रदेश में जनजीवन तेजी से सामान्य हो रहा है। देश के अन्य राज्यों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश में स्थिति बहुत बेहतर है। आज प्रदेश के 34 जिलों में कोविड का एक भी एक्टिव केस नहीं है।

उत्तर प्रदेश में अब तक सात करोड़ 55 लाख 39 हजार 756 कोविड सैम्पल की जांच की जा चुकी है। विगत 24 घंटे में दो लाख 21 हजार 226 सैम्पल टेस्टिंग हुई। इस कोविड टेस्टिंग में 66 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया केस नहीं मिला। औसतन हर दिन सवा दो लाख से ढाई लाख तक टेस्ट हो रहें हैं, जबकि पाजिटिविटी दर 0.01 से भी कम हो गई है और रिकवरी दर 98.7 फीसद है। प्रदेश में अब तक 16 लाख 86 हजार 538 प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं।

राज्य के जो जिले कोविड से मुक्त हो चुके उनमें अलीगढ़, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बस्ती, बहराइच, भदोही, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, चित्रकूट, एटा, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गोंडा, हमीरपुर, हरदोई, हाथरस, कानपुर देहात, कासगंज, महोबा, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रतापगढ़, रामपुर, सहारनपुर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, सुल्तानपुर और सोनभद्र शामिल हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कोविड से बचाव के लिए प्रदेश में टीकाकरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जल्द ही यूपी नौ करोड़ से अधिक कोविड डोज देने वाले देश के प्रथम राज्य बन जाएगा। अब तक प्रदेश में सात करोड़ 45 लाख से अधिक लोगों ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है, जबकि 1.52 करोड़ से ज्यादा लोगों ने दोनों डोज का कवर पा लिया है। विगत दिवस 10 लाख 80 हजार से अधिक लोगों ने टीकाकवर प्राप्त किया। इस प्रकार प्रदेश में कुल कोविड वैक्सीनेशन आठ करोड़ 97 लाख से अधिक हो गया है। यह किसी एक राज्य में हुआ सर्वाधिक टीकाकरण है। इस प्रक्रिया को और तेज किए जाने की आवश्यकता है।

युवा मोर्चा की जिला मंत्री बनीं रिवाल्वर रानी, वायरल फोटो ने बढ़ाई राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी

कानपुर। रिवाल्वर संग फोटो वायरल होने के बाद आगरा में तैनात कानपुर की महिला सिपाही को इस्तीफा देना पड़ गया था और अब शहर में भारतीय जनता युवा मोर्चा की मंत्री मीनाक्षी गुप्ता का रिवाल्वर के साथ फोटो वायरल होने से राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक सप्ताह पहले घोषित जिला कमेटी में उन्हें शामिल किया गया है। हालांकि मीनाक्षी गुप्ता ने करीब आठ वर्ष पुरानी फोटो बताई है और भाई की लाइसेंसी रिवाल्वर होने की बात कही है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा की उत्तर जिला इकाई में पिछले दिनों जिला कमेटी की घोषणा की गई थी। इसमें रामकृष्ण नगर निवासी मीनाक्षी गुप्ता को भी शामिल किया गया था। इसके ठीक बाद उनकी फेसबुक पेज पर लगी फोटो को कुछ लोगों ने वायरल कर दिया। इसमें वह रिवाल्वर लिए हुए नजर आ रही हैं। इसमें दो अलग फोटो वायरल की गई हैं। इसके बाद से युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ता उनको संगठन में लिए जाने पर नाराज हैं। उनका कहना है कि मीनाक्षी गुप्ता ने संगठन में कभी कोई काम नहीं किया और उन्हें सीधे जिले की कमेटी में मंत्री बना दिया गया। जबकि बहुत से लोग ऐसे थे जो वर्षों से संगठन में काम कर रहे थे लेकिन उन्हें स्थान नहीं दिया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके पिता लक्ष्मी शंकर गुप्ता पर भी मुकदमे होने की बात कही है।

इस संबंध में खुद मीनाक्षी गुप्ता का कहना है कि उनके पिता पूरी तरह भाजपा से जुड़े हुए हैं और उन्होंने जब से होश संभाला हमेशा से अपने परिवार में भाजपा के कार्यक्रम ही होते देखे। उनके भाई पार्षदी का चुनाव लड़े थे। उनके अनुसार यह लाइसेंसी रिवाल्वर है जिसका वह लाइसेंस भी दिखा सकती हैं। भाई की रिवाल्वर लेकर घर में फोटो खिंचाई थी जिसे फेस बुक पर डाला हुआ था। अब जब उन्हें जिले में मंत्री पद मिला तो जो पद हासिल ना कर पाए, उन्होंने फोटो को वायरल करना शुरू कर दिया। उनके मुताबिक यूं तो संग्रहालय के बाहर हम लोग तोप के साथ खड़े होकर भी फोटो खिंचाते हैं, तो क्या वे सभी अपराधी हो जाते हैं। उनके मुताबिक वह उन्नति सेवा संस्थान संचालित करती हैं। संगठन में उनके पास पहले कोई पद नहीं था। पार्टी के कार्यक्रमों में जरूर जाती थी। पिछले दिनों जिला पंचायत के चुनाव में भी वह लगातार पार्टी प्रत्याशी के साथ लगी रही थीं।

इस संबंध में युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिवांग मिश्रा का कहना है कि समाजसेवा के अच्छे कार्य करने की वजह से उन्हें संगठन में लिया गया है। यह फोटो भी बहुत पुरानी है। कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें अभी मामले की जानकारी नहीं है। इस बार में पूछताछ करेंगे।

बिहार एनडीए में अंतर्कलह, जदयू के सांसद बोले- भाजपा नहीं चाहती राज्य का विकास, केवल वोट से मतलब

पटना। बिहार में जदयू और भाजपा के बीच चल रहा अंतर्द्वन्द खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है और गाहे-बगाहे बार-बार सामने आ ही जाता है। अब बांका से जदयू के सांसद गिरधारी यादव ने भाजपा और केंद्र की सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा बिहार का विकास चाहती ही नहीं है। इस पार्टी को राज्य के लोगों से केवल वोट लेने भर से मतलब है। उन्होंने एक आनलाइन प्लेटफार्म पर यह आरोप तब लगाया, जब उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी वाली सरकार केंद्र और राज्य दोनों जगह होने के बावजूद विकास बाधित रहने के मसले पर सवाल पूछा गया था। उनके इस बयान के बाद जहां भाजपा में खलबली मची है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल राजद को चुटकी लेने का मौका मिल गया है।

जदयू के सांसद गिरधारी यादव का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर खूब तेजी से शेयर किया जा रहा है। इसमें उन्होंने कहा है कि सरकार में हमारे सहयोगी दल भाजपा को बिहार के विकास से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब हम भाजपा के साथ नहीं थे, तब वे राज्य की 31 सीटों पर जीते। इसके बाद 2019 में बिहार से एनडीए के 39 सांसद चुने गए। इसके बावजूद केंद्र की सरकार ने बिहार के साथ न्याय नहीं किया।

जदयू सांसद ने कहा कि केंद्र में सात साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन पटना जंक्शन से दिल्ली के लिए एक नई ट्रेन इस दौरान नहीं चलाई गई। उन्होंने कहा कि पटना और दिल्ली के बीच रेलवे का कितना ट्रैफिक है, यह बताने की जरूरत नहीं है। इस बाबत तत्कालीन रेल मंत्री पियूष गोयल से बात करने पर उन्होंने झूठा आश्वासन देकर टाल दिया था।

राजद ने उठाए एनडीए पर सवाल

राष्ट्रीय जनता दल ने जदयू सांसद का वीडियो शेयर करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए पर सवाल उठाया है। राजद के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर इस वीडियो को साझा करते हुए कहा गया है कि यह अजीब गठबंधन की सरकार है, जिसके नेता खुद स्वीकार कर रहे हैं कि बिहार में विकास ठप पड़ा है।

मुश्किल में चिराग के भाई प्रिंस राज, दुष्कर्म मामले में दिल्ली की अदालत में अग्रिम जमानत पर सुनवाई कल

पटना, (एजेंसी)।

लोक जनशक्ति पार्टी पारस गुट के बिहार प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज पर दिल्ली में दुष्कर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। दिल्ली स्थित कनाट प्लेस थाने में एक युवती की शिकायत पर दर्ज इस मामले में प्रिंस ने गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल की है। अब इस याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी। प्रिंस राज एलजेपी के चिराग गुट के अध्यक्ष चिराग पासवान के रिश्ते में भाई हैं। राम विलास पासवान के निधन के बाद दो-फाड़ हुई एलजेपी में प्रिंस चिराग के चाचा पशुपति पारस के गुट के साथ हैं।

क्या है पूरा मामला, जानिए

विदित हो कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान एलजेपी से जुड़ी एक युवती ने आरोप लगाया है कि मार्च 2020 में प्रिंस ने उसे दिल्ली के वेस्टर्न कोर्ट में बुलाकर नशीला पदार्थ पिला दिया, फिर दुष्कर्म किया। इसके बाद कई बार दुष्कर्म किया। उधर, प्रिंस राज ने युवती के खिलाफ पैसे मांगने के आरोप में पहले से मुकदमा दर्ज कराया है। प्रिंस राज के अनुसार युवती उन्हें एक करोड़ रुपये के लिए ब्लैकमेल कर रही थी।

जो भी हो, युवती के आरोप के आधार पर दर्ज एफआइआर के बाद अब प्रिंस राज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल कर दी है।

इसपर गुरुवर को सुनवाई होगी। इस मामले में प्रिंस पासवान गिरफ्तार किए जाएंगे या नहीं, यह कोर्ट के फैसले पर निर्भर करेगा। प्रिंस राज एलजेपी के पशुपति पारस गुट के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं। राम विलास पासवान के निधन के बाद जब एलजेपी दो-फाड़ हो गई, जब प्रिंस ने चिराग पासवान के बदले पशुपति पारस के साथ जाना पसंद किया।

गोपालगंज में सीओ साहब की पिस्टल लेकर चले गए चूल्हा ठीक करने आए मैकेनिक, पुलिस हुई परेशान

गोपालगंज। गोपालगंज सदर अंचल के अंचल अधिकारी (सीओ) सोमवार को जालसाजों का शिकार बन गए। रसोई गैस चूल्हे का मिस्त्री बनकर उनके घर आए तीन बदमाश सीओ की लाइसेंसी पिस्टल लेकर उनकी आंखों के सामने ही चले गए और वे कुछ भी नहीं कर सके। घटना गोपालगंज शहर के हजियापुर वार्ड संख्या सात में बिस्कोमान भवन के पास एक मकान में हुई, जहां सीओ रहते हैं। सदर सीओ विजय कुमार सिंह ने बताया कि उनके आवास पर रसोई गैस चूल्हा का मिस्त्री बनकर पहुंचे तीन लोग पहुंचे थे। वे उनके घर में चूल्हा ठीक कर रहे थे, इसी बीच सीओ अपनी लाइसेंसी पिस्तौल को बिस्तर पर रखकर बाथरूम में चले गए। जब वे बाहर निकले तो देखा कि उनकी पिस्टल गायब है और तीनों मैकेनिक भी गायब हैं।

चूल्हा ठीक करने के लिए खुद ही किया था फोन

बताया जाता है कि सदर सीओ विजय कुमार सिंह अंचल कार्यालय से अपना कार्य निपटाने के बाद सोमवार की शाम हजियापुर वार्ड संख्या सात स्थित अपने किराए के मकान पर पहुंचे थे। कार्यालय से निकलते समय सीओ ने खराब हो गए रसोई गैस का चूल्हा ठीक करने के लिए मिस्त्री को फोन किया था। घर पहुंचने पर देखा कि तीन मिस्त्री उनके घर के बाहर खड़े हैं। सीओ ने ताला खोल कर तीनों मिस्त्री को अपने साथ कमरे में ले जाकर चूल्हा बनाने की बात कही। इस बीच अपनी लाइसेंसी पिस्तौल निकाल कर उसे बिस्तर पर रख कर बाथरुम में चले गए।

तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज- कुछ देर बाद बाथरूम से निकलने पर उन्होंने देखा कि उनकी पिस्तौल गायब है और तीनों मिस्त्री भी नहीं हैं। इसके बाद सीओ तुरंत घर से बाहर निकले। उन्होंने देखा कि तीनों मिस्त्री बाइक से जा रहे हैं। उन्होंने उनका पीछा भी किया। लेकिन मिस्त्री के रूप में आए तीनों बदमाश बाइक की रफ्तार तेज कर फरार हो गए। इस घटना को लेकर सीओ के बयान पर नगर थाना में सिवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र के विजयीपुर मोड़ निवासी प्रिंस यादव, सचिन कुमार तथा विकास कुमार के खिलाफ प्राथमिकी की गई है। पुलिस आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी अभियान चला रही है।

भाजपा मिशन 2022 के लिए तैयार कर रही मीडिया प्रभारी, सक्रिय रहने का निर्देश

प्रयागराज। विधान सभा चुनाव 2022 को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। भाजपा ने मिशन 2022 की तैयारी जोरशोर से शुरू कर दी है। अलग-अलग मोर्चा के पदाधिकारी की सूची जारी कर कार्यकर्ताओं को संगठन से बांधने और उन्हें संतुष्ट करने की कवायद जारी है। दूसरी तरफ प्रबुद्ध सम्मेलन के नाम पर भी गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। खास बात यह कि इसमें सभी जन प्रतिनिधियों, मंत्रियों और पदाधिकारियों की भी सक्रियता का निर्देश दिया गया है।

मीडिया प्रभारियों से सक्रियता बढ़ाने का निर्देश- इसी कड़ी में संगठन की ओर से मीडिया प्रभारियों को भी सक्रियता बढ़ाने के लिए कहा गया है। इनका प्रशिक्षण शिविर भी लखनऊ में आयाजित हुआ। प्रयागराज से यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, गंगापार जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, महानगर जिला मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी इसमें शामिल हुए।

लखनऊ में आयोजित मीडिया प्रभारियों की कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, संगठन महामंत्री सुनील बंसल, राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी संजय मयूख, राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता जफर इस्लाम शामिल हुए। कई सत्रों में प्रशिक्षण शिविर चला। सभी प्रदेश प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी, जिला मीडिया प्रभारी, प्रदेश मीडिया सम्पर्क विभाग के संयोजक व मोर्चे के प्रदेश मीडिया प्रभारियों ने अपनी बात रखी। सभी ने कहा कि संगठन और सरकार के कार्यक्रमों पर फोकस करें। सूचनाओं को जनता तक तेजी से पहुंचाएं। प्रयास हो कि सरकार के सभी कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंच जाए।

मीडिया प्रभारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता सब जानती है लेकिन पहले किए गए कार्यों को भूल जाती है। आप सब उसे याद कराते रहें। हमारे कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि भी सक्रियता बढ़ाएं। विपक्ष की साजिशों को भी उजागर करें। अपनी बात हमेशा तथ्यों के साथ रखें।

शासकीय सेवकों को मिलेगी पदोन्नति

मंत्री समूह की बैठक में गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा, सरकार पदोन्नति के लिए वचनबद्ध

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि शासकीय सेवकों की पदोन्नति के लिये सरकार वचनबद्ध है। डॉ. मिश्रा मप्र के शासकीय सेवकों को उनके सेवा काल में पात्रता अनुसार पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए गठित मंत्री समूह की बुधवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मंत्री समूह ने सर्व-सम्मति से निर्णय लिया गया कि अगली बैठक के पहले अजाक्स, सपाक्स एवं अन्य पक्षों से चर्चा की जाएगी। बैठक में जल-संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, वन मंत्री डॉ. विजय शाह और सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया मौजूद थे। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार इंदर सिंह परमार ऑनलाइन शामिल हुए। बैठक में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार ने लोक सेवा पदोन्नति नियम-2002 और नवीन पदोन्नति नियम-2021 में किए गए प्रावधानों के बारे में अवगत कराया। मंत्री समूह ने पदोन्नति नियमों से जुड़े समस्त वैधानिक एवं संवैधानिक पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

आजीविका मिशन की महिलाओं से सीएम करेंगे संवाद

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्व-सहायता समूहों के सदस्यों से सीधा संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री निवास पर 16 सितंबर को सुबह 10.30 बजे आयोजित होने वाले संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 500 महिला समूह सदस्य शामिल होंगी। साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में ग्राम पंचायत स्तर पर समूह सदस्य कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे। मुख्यमंत्री चौहान स्व-सहायता समूह सदस्यों से अनुभव साझा करने के साथ उत्पाद क्रेताओं से भी चर्चा करेंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन में ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत निर्धन परिवारों की महिला सदस्यों को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण किया जा रहा है। मिशन द्वारा प्रदेश के लगभग 44 हजार ग्रामों में 3 लाख 33 हजार समूहों का गठन किया गया है। इन समूहों से लगभग 37 लाख 94 हजार परिवारों को जोड़ा जा चुका है। इनमें से लगभग 13 लाख परिवारों को कृषि आधारित गतिविधियों और लगभग 4 लाख 90 हजार परिवारों को गैर कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है।

सीएम हाउस में आज होने वाले संवाद कार्यक्रम में 500 महिलाएं होंगी शामिल

राज्य सरकार द्वारा समूहों को और सशक्त करते हुए अधिक से अधिक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। कोरोना काल में भी वर्चुअल माध्यमों से मुख्यमंत्री चौहान समूह सदस्यों से रू-ब-रू होते रहे हैं। मिशन द्वारा आजीविका उत्पादों को वृहद बाजार से जोड़ने तथा आसानी से क्रय-विक्रय के लिए आजीविका मार्ट पोर्टल बनाया गया है, जिसके माध्यम से क्रय-विक्रय किया जा रहा है। पोर्टल पर विभिन्न जिलों के समूहों के लगभग 4,000 उत्पाद अपलोड किए जाकर लगभग 86 करोड़ रुपए का व्यवसाय किया जा चुका है।

कार्यक्रम में कुछ क्रेता-विक्रेता प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से चर्चा करेंगे। कुछ जिलों में समूहों द्वारा नए उत्पादों का निर्माण शुरू किया गया है, जिन्हें मुख्यमंत्री चौहान द्वारा लांच किया जाएगा। यह उत्पाद पोर्टल पर विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगे। वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान बचाव सामग्री बनाकर आपदा को अवसर में बदलते हुये समूहों ने अच्छा काम किया गया है। लॉकडाउन से लेकर अब-तक लगभग दो करोड मास्क, डेढ़ लाख पीपीई किट, 1.60 लाख लीटर सेनेटाइजर, 33 हजार लीटर हैंडवॉश एवं लगभग 8 लाख से अधिक साबुन निर्माण कर सप्लाई किया जा चुका है।

10 परिसंपत्ति बेचकर सरकार ने कमाए 82.40 करोड़

भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा ऐसी परिसम्पत्तियों, जो अब अनुपयोगी हो गई हैं, उनकी भूमि के युक्ति-युक्तकरण एवं व्यावसायिक मोद्रीकरण द्वारा अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 10 परिसंपत्तियों का टेंडर प्रक्रिया से विक्रय कर 82 करोड़ 40 लाख रुपए की राशि प्राप्त की गई है, जबकि इन सम्पत्तियों की ऑफसेट वैल्यू 51 करोड़ 60 रुपए निर्धारित की गई थी।

ऑफसेट वैल्यू से ज्यादा मिली राशि

प्रमुख सचिव लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग ने बताया कि मप्र राज्य के तहत विभिन्न विभागों तथा एजेंसियों के आधिपत्य में महत्वपूर्ण शासकीय परिसम्पत्तियां हैं। नवीन अधोसंरचना के विकास के फलस्वरूप ऐसी अनेक शासकीय परिसंपत्तियां, विशेषतः भूमि या तो अनुपयोगी हो गयी हैं अथवा उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। पूर्व में जो परिसंपत्तियां शहर के बाहर अवस्थित थीं, शहरों के विस्तारीकरण के कारण अब महत्वपूर्ण एवं व्यावसायिक स्थलों पर आ गयी हैं। इनका बाजार व्यवस्था के अनुरूप युक्ति-युक्तकरण एवं व्यावसायिक उपयोग नहीं हो पा रहा है। इनके बेहतर उपयोग के लिए राज्य शासन द्वारा 26 सितम्बर, 2020 को लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग की स्थापना की गई है।

विभाग द्वारा प्रदेश में 280 परिसंपत्तियों का चिन्हांकन कर, उनके विक्रय की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इनमें से 10 परिसंपत्तियों का विक्रय किया जा चुका है। वर्तमान में 58 करोड़ 9 लाख रुपए ऑफसेट मूल्य की 9 परिसंपत्तियों के टेंडर प्रकाशित कराए जा चुके हैं तथा 53 परिसंपत्तियों के टेंडर जारी करने की प्रक्रिया अभी जारी है।

डेंगू नियंत्रण के लिए अधिकारी तथा जन-प्रतिनिधि समन्वित प्रयास करें

भोपाल से कृषि मंत्री ने हरदा में वर्चुअली कार्यक्रम का शुभारंभ किया

भोपाल (एजेंसी)। डेंगू पर नियंत्रण के प्रदेश व्यापी अभियान डेंगू से जंग, जनता के संग का शुभारंभ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल से किया। हरदा में कृषि मंत्री कमल पटेल ने अभियान का वर्चुअली शुभारंभ किया। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिये जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों को समन्वित प्रयास करना होंगे।

अभियान के अंतर्गत हर शहर और ग्राम में लार्वा नष्ट करने का कार्य किया जा रहा है। इसमें घरों के कूलर, वाटर टैंक और आसपास गड्ढों में जमा पानी का निस्तारण करने का स्वच्छता अभियान चलेगा। जिला अस्पताल हरदा में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम द्वारा डेंगू पर प्रहार अभियान का शुभारंभ करते हुए कृषि मंत्री श्री पटेल ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए अधिकारी, कर्मचारी तथा जन-प्रतिनिधि मिलकर प्रयास करें। सभी पार्षद और पंचायत पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को मलेरिया एवं डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी दें। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा शहरी क्षेत्र में डेंगू और मलेरिया नियंत्रण के उद्देश्य से नियमित फॉगिंग करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अनावश्यक जल-जमाव के दोषी लोगों पर अर्थदंड लगाने की कार्यवाही करें।

धान, ज्वार, बाजरा का पंजीयन प्रारंभ

कृषि मंत्री कमल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा धान का समर्थन मूल्य 1940 रुपए, ज्वार 2738 रुपए और बाजरे का 2250 रुपए घोषित करने पर मध्यप्रदेश के किसानों की ओर से सभी का आभार भी व्यक्त किया है। श्री पटेल ने धान, ज्वार, बाजरा का उत्पादन करने वाले कृषकों से अपील की है कि वे अपनी फसलों के विक्रय के लिए पंजीयन कराएं। उन्होंने बताया है कि 15 सितंबर से समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन कार्य प्रारंभ हो गया है। किसान बंधु धान, ज्वार, बाजरे की फसलों का पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य पर फसलें विक्रय कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने आलीराजपुर जिले के गांवों में आमजन से संवाद करते हुए कहा

किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाए

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाए। मुख्यमंत्री बुधवार को जन-दर्शन कार्यक्रम के तहत आलीराजपुर जिले के विभिन्न ग्रामों में आमजन से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने ग्राम बड़ागुडा में कहा कि प्रदेश में शीघ्र ही पुलिस, राजस्व आदि विभागों में भर्ती एवं बेकलॉग के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जाने वाली है। उन्होंने ग्रामीणों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरण, प्रधानमंत्री आवास और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने निर्देश दिए ग्राम स्तर पर शेष पात्रताधारियों के चिन्हांकन हेतु शिविर लगाकर इन योजनाओं के शेष पात्रताधारियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि अविवादित भूमि के नामांतरण एवं बंटवारे के प्रकरणों का निराकरण भी शिविर के माध्यम से किया जाए।

मुख्यमंत्री ने ग्राम बडागुडा, सेमलाय, उबलड एवं सिद्धगांव में एक-एक सड़क निर्माण कार्य की घोषणा की। जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ग्राम आम्बुआ और बेहडवा पहुंचे। आम्बुआ में बालिकाओं का पूजन कर हनुमान मंदिर में दर्शन किए। यहां उन्होंने कहा कि बायरा ब्रांड के माध्यम से आजीविका समूह द्वारा तैयार उत्पादों को मार्केट प्रदान करने के बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। यहां उन्होंने ग्राम आम्बुआ में मुक्तिधाम निर्माण, बाबादेव स्थल पर निर्माण, सीनियर बालिका छात्रावास आम्बुआ एवं बड़ी खट्टाली, खंडाला में सीएम राइस स्कूल की सौगात की घोषणा की।

आदिवासी संगीत पर जमकर थिरके शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री चौहान को जनता के दिल में घर बनाना आता है, उन्हें जब भी मौका मिलता वह उसे अवसर में बदल ही देते हैं। बुधवार को भी जनदर्शन कार्यक्रम आदिवासी संगीत बजाया गया तो श्री चौहान ने अपने आप को संगीत के हवाले कर दिया। उन्होंने जमकर नृत्य किया। मुख्यमंत्री को नृत्य करते देख सांसद गुमान सिंह डामोर सहित स्थानीय नेताओं ने भी उनके साथ ताल-से-ताल मिला ली।

भीली भाषा में बच्चों को प्राथमिक शिक्षा देगी सरकार

कार्यक्रम के मंच से सीएम चौहान और महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य गन बाई की चर्चा के दौरान गन बाई सीएम से भीली भाषा में बच्चों को प्राथमिक शिक्षा देने का आग्रह किया। गन बाई के आग्रह पर सीएम ने प्रदेश में भीली भाषा में प्राथमिक शिक्षा देने का आश्वासन दिया। सीएम ने गन बाई से बातचीत उनके काम और आय के संबध में जानकारी ली। गन बाई ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट और कृषि से उनका 80 से 90 हजार रुपए प्रति वर्ष आय हो जाती है।

उमरी में 28 हेक्टेयर में छोटे उद्योग स्थापित किए जाएंगे

भोपाल । उमरी में 28 हेक्टेयर में छोटे उद्योग स्थापित करने और जोबट में 100 बिस्तरों का अस्पताल, स्टेडियम बनाने की घोषणा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को जोबट में जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने भील समुदाय के अग्रह पर भीली भाषा में बच्चों को प्राथमिक शिक्षा देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री बुधवार को अलीराजपुर जिले जोबट विधानसभा में जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान जोबट पहुंचकर जनता को संबोधित किया। मख्यमंत्री ने श्री चौहान ने जोबट में स्वास्थ्य सेवाएं को बहेत्तर करने के लिए 100 बिस्तर को अस्पताल शुरू करने वादा किया। उन्होंने कहा कि इलाके में विकास और राजगार के लिए उमरी में सरकार 28 हेक्टेयर में छोटे उद्योग स्थापित करने जा रही है। इसके अलावा जिले में कई उद्योग इकाई स्थापित की जाएगी। श्री चौहान ने जनता को आश्वासन दिया कि क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के इंतजाम किए जाएंगे। जनदर्शन कार्यक्रम में सीएम को आदिवासियों के पारंपरिक शास्त्र तीर और कमान भेंट किए गए।

युवा कांग्रेस शुरू करेगी यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम : पराग शर्मा

डॉ. भूरिया ने कहा प्रधानमंत्री का जन्मदिन बेरोजगार दिवस के रूप में मनाएगी युवा कांग्रेस

भोपाल (एजेंसी)। युवाओं को कांग्रेस से जोड़ने के लिए युवा कांग्रेस द्वारा यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है, जिसके माध्यम से युवाओं के लिए एक ऐसा मंच तैयार करने का कार्य करेगी जिसमे युवा अपने क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार साझा कर सके।

भारतीय युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता पराग शर्मा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया की यंग इंडिया के बोल कार्यक्रम में ऐसे युवाओं को आगे आने का अवसर मिलेगा जो देश और प्रदेश में अपने विचारों को रख सकें इस पूरी प्रक्रिया के लिए एक गूगल फॉर्म जारी किया गया है, जो 22 अक्टूबर तक भरना होगा जिसमें प्रतिभावान युवाओं का चयन कर उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका दी जाएगी।

इस अवसर पर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने बताया युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्हीवी श्रीनिवास के आह्वान पर मप्र युवा कांग्रेस 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाएगा, सर्वविदित है की आज बेरोजगारी राष्ट्रीय व्यापी समस्या बन गई है जिसको लेकर पूरे देश में युवाओं के बीच रोष व्याप्त है। इस समस्या के खिलाफ मप्र के प्रत्येक जिले में हल्ला बोल प्रदर्शन किया जाएगा। मप्र युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने कहा की दो करोड़ रोजगार का वादा कर सत्ता में आई भाजपा सरकार रोजगार के नए अवसर प्रदान करने में पूर्णतः विफल साबित हुई है, एक ओर भाजपा देश की संपत्तियों को कौड़ी के दाम में बेच रही है, वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश प्रदेश में लॉटरी और जुआ को प्रतिबंध मुक्त कर रही जिससे प्रदेश में अपराध को बढ़ावा मिलेगा।

ईको पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता संजोए रखने के लिए वीडियोग्राफी प्रतियोगिता

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के विभिन्न ईको पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता को संजोए रखने के प्रयोजन से वीडियोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए वीडियोग्राफी का हुनर रखने वालों से 31 अक्टूबर तक प्रविष्ठि बुलाई गई हैं।

विजेताओं को मिलेंगे नगद पुरस्कार

ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सीईओ सत्यानंद ने बताया कि श्रेष्ठ वीडियोग्राफी में पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले प्रतिभागी को क्रमशः 50, 40 और 30 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा 10 अन्य विजेताओं को सांत्वना पुरस्कार के रूप में पांच-पांच हजार रुपए दिए जायेंगे। इस प्रतियोगिता का मकसद प्रदेश में विभिन्न ईको पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं ऐसे स्थलों पर मौजूद प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजकर प्रकृति के अनछुए पहलुओं को जन-सामान्य तक पहुंचाना है। ईको पर्यटन विकास बोर्ड प्राप्त वीडियो को अपनी वेबसाइट और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उपयोग करेगा। प्रतियोगिता के नियम और अन्य जानकारी mp.mygov.in पर देखी जा सकती है।

प्रधानमंत्री के 71वें जन्मदिन पर वितरित की जाएंगी 71 हजार मोदी कॉपियां प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने किया विमोचन

भोपाल । ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिवस पर प्रदेश के विद्यार्थियों को 71 हजार मोदी कॉपी का वितरण किया जाएगा। बुधवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश कार्यालय में मोदी कॉपी का विमोचन कर जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को वितरित की। मोदी कॉपी पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी दीपक जैन टीनू द्वारा तैयार की गई है। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभावान बच्चों को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि प्रेरक संदर्भ और प्रेरणादायी जीवन चरित्र हमेशा से प्रोत्साहन का प्रतीक रहे हैं। मोदी कॉपी बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकता की पूर्ति में सहयोग करेगी और इसके माध्यम से उन्हें जीवन प्रबंधन और प्रोत्साहन के सूत्र भी प्राप्त होंगे। दीपक जैन ने बताया कि मोदी कॉपी में प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े हुए संस्मरण एवं विद्यार्थियों के लिए उनके द्वारा दिए गए संदेशों का समावेश किया गया है। प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात में समय-समय पर विद्यार्थियों के लिए दिए गए उपयोगी सुझाव और प्रोत्साहन के प्रमुख बिंदु इसमें विशेष रूप से सम्मिलित किए गए हैं।

पुलिस का दो दिनी स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान कल से

भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान के तहत साफ-सफाई एवं वृक्षारोपण करने के लिए डीजीपी विवेक जौहरी ने समस्त पुलिस इकाइयों को दिए निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने 17 और 18 सितंबर को स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान के तहत समस्त पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि समस्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय, थाना, चौकी, विसबल वाहिनी मुख्यालय, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल आदि इकाइयों में स्वच्छता अभियान के तहत व्यक्तिगत रूचि लेकर साफ-सफाई एवं वृक्षारोपण कराया जाकर की गई कार्यवाही का विवरण एवं फोटोग्राफ सोशल मिडिया पर अपलोड कर एडीजी (कल्याण एवं लेखा) विजय कटारिया को अवगत किया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने दी 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा और समर्पण अभियान की जानकारी

पीएम के जन्मदिवस पर अंत्योदय की अलख जगाएगी भाजपा

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 20 दिवसीय सेवा और समर्पण अभियान भाजपा द्वारा शुरू किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत पार्टी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए सेवा और समर्पण की अलख जगाएंगे। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने इस अभियान की विस्तृत जानकारी भी दी।

71 लाख लोगों को वेक्सीन लगवाएंगे पार्टी कार्यकर्ता: श्री शर्मा ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी का 71वां जन्मदिवस है और पार्टी ने तय किया है कि सेवा और समर्पण अभियान के अंतर्गत 15 से 23 सितंबर पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश के 71 लाख लोगों को वेक्सीन लगवाने के लिए अभियान चलाएंगे। इस अभियान में सभी 65 हजार बूथों पर 111 वेक्सीन डोज लगवाने का लक्ष्य रखा गया है। श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रदेश में 50 हजार बूथों पर 1.51 लाख स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की भर्ती और प्रशिक्षण का काम पूरा हो चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर लगेगी प्रदर्शनी

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 16 एवं 17 सितंबर को प्रदेश कार्यालय एवं सभी जिला कार्यालयों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी नमो एप पर भी उपलब्ध रहेगी। श्री शर्मा ने बताया कि 16 सितंबर को प्रदेश के प्रत्येक जिले में पार्टी कार्यकर्ता 71 चिह्नित धर्मस्थलों में स्वच्छता अभियान चलाएंगे। 20 सितंबर को प्रत्येक मंडल में दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 23 सितंबर को चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

पं दीनदयाल की जयंती पर होंगे सेवा कार्यक्रम

श्री शर्मा ने बताया कि पं दीनदयाल की जयंती पर 25 सितंबर को प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, 27 सितंबर को युवा मोर्चा द्वारा सभी जिलों में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे, 29-30 सितंबर एवं एक अक्टूबर को प्रत्येक मंडल में नमो उपवन तैयार किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न प्रजातियों के 71 उपयोगी पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि 29-30 सितंबर को ही केंद्र सरकार द्वारा अंत्योदय के लिए किए गए प्रयासों के फलस्वरूप लोगों के जीवन में आए बदलावों पर सम्मेलन, सेमिनार आदि का आयोजन किया जाएगा।

सिर्फ नाम नहीं लेती, गांधी जी के विचारों को जीवन में उतारती है भाजपा

श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा गांधीजी का सिर्फ नाम नहीं लेती, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारती भी है। उन्होंने बताया कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर स्वच्छता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय उत्पादों के प्रयोग से संबंधित बापू के आग्रह को प्रचारित किया जाएगा। श्री शर्मा ने बताया कि 04 एवं 05 अक्टूबर को सभी जिलों में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा देश और समाज के हित में किए जा रहे कार्यों के संबंध में वर्चुअल कांफ्रेस का आयोजन किया जाएगा, जिनमें बुद्धिजीवियों एवं प्रबुद्धजनों की भागीदारी होगी।

अभी तक गड्ढे खुदे नहीं और अब डंडा लेकर निकलने की कर रहे बात

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री के बयान पर बोला हमला

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विगत दिवस प्रदेश के कुछ हिस्सों में भ्रमण के दौरान भ्रष्टाचारियों से निपटने के लिए डंडा लेकर निकलने के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कटाक्ष किया है।

नाथ ने अपने ट्वीट में कहा है कि पहले माफियाओं के लिए गड्डा खोदने निकले थे, आज तक गड्डा खुद नहीं पाया और अब भ्रष्टाचारियों के खिलाफ डंडा लेकर निकलने की बात कर रहे हैं, लेकिन वह भी सिफ चुनावी क्षेत्रों तक। हिम्मत दिखाइए, प्रदेश के किसी भी हिस्से में, किसी भी मंच से, जनता से भ्रष्टाचार पर सवाल पूछ लीजिए, भ्रष्टाचार के इतने सबूत मिल जाएंगे कि आपके डंडे भी कम पड़ जाएगे। वैसे भी जब से प्रदेश में शिवराज सरकार आई है, भ्रष्टाचार चरम पर है, बिना लिए-दिए जनता का कोई काम नहीं होता है। वैसे भी मुख्यमंत्री को यदि गड़बड़ी ठीक ही करना है तो सबसे पहले डंडा चलाने की शुरुआत अपने मंत्रियों के यहां से, अपने करीबी अधिकारियों के यहां से करना चाहिए, जहां के भ्रष्टाचार के फिक्स रेट आज सर्वविदित हैं, जो भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके हैं। सच्चाई यह है कि शिवराज जी सिर्फ चुनावी क्षेत्रों में जनता को गुमराह करने के लिए इस तरह की नौटंकी कर रहे हैं, भ्रष्टाचारियों को तो भाजपा नेताओं व मंत्रियों का ही संरक्षण प्राप्त है।

Sushant Singh Rajput की मौत के बाद

रिया चक्रवर्ती

ने करवाया ग्लैमरस फोटोशूट, जालीदार टॉप में बिखेरा हुस्न का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) काफी दिनों से लाइमलाइट से दूर हैं. जब से सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की मौत हुई है, एक्ट्रेस की जिंदगी में भी भूचाल सा आ गया है. एक्टर की मौत के बाद रिया ने खुद को सोशल मीडिया की दुनिया से दूर कर लिया है. लेकिन अब एक बार फिर वो अपने ग्लैमरस अवतार में लौट रही हैं. एक बार फिर उन्होंने अपने हुस्न का जलवा बिखेरने की ठानी है.

रिया का कातिलाना अंदाज

रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) कभी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहा करती थीं, लेकिन सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस ने खुद को इन सभी चीजों से दूर कर लिया था. लेकिन एक बार फिर एक्ट्रेस अपने पुराने मोड में आ रही हैं और अपनी कातिलाना अदाओं से लोगों को घायल करने के लिए तैयार हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में एक फोटो शेयर की, जिसमें उन्होंने जालीदार टॉप पहना हुआ है.

ग्लैमरस तस्वीर की शेयर

रिया (Rhea Chakraborty Instagram) ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है. ब्लैक एंड व्हाइट इस फोटो में वह ग्लैमरस आउटफिट में पोज दे रही हैं. रिया ने ब्रालेट के साथ नेट का टॉप पहना है और उसे पेयर किया है लैदर पैंट के साथ. उनकी इस तस्वीर पर सितारों और फैंस के खूब कमेंट्स और लाइक्स आ रहे हैं. तस्वीर को शेयर करते हुए रिया ने कैप्शन में लिखा– ' PEACE OUT ' उन्होंने हैशटैग दिया– #narishakti.

रिया की फिल्म

इससे पहले रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी. वह एक पेड़ के पास खड़ी होकर पोज दे रही हैं और उन्होंने पत्ती पकड़ी हुई है. तस्वीर में रिया ने ऑफ शोल्डर व्हाइट ड्रेस पहनी हुई थी. रिया की फिल्म 'चेहरे' हाल ही में रिलीज हुई. फिल्म में इमरान हाशमी, अमिताभ बच्चन, अनु कपूर अहम भूमिकाओं में नजर आए. कोविड के चलते फिल्म की रिलीज डेट कई बार टली थी और बाद में फिल्म 27 अगस्त को रिलीज हुई.

परिणीति चोपड़ा

ने फैंस को दिखाया अपना शू कलेक्शन, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा को हुई जलन, बोलीं– मुझे ये चाहिए

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra Instagram) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. इन तस्वीरों और वीडियो के जरिए वह अपने रूटीन और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट देती हैं. हाल में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों में उन्होंने अपने शू कलेक्शन की झलक फैंस को दिखाई है. परिणीति के इतने बड़े कलेक्शन को देखकर फैंस भी हैरान हैं.

परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra Photos) ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए बताया कि वह 5 मिनट में तैयार होती हैं. पहले तस्वीर में परिणीति को एक सोफा के खड़े हुए देखा जा सकता है. वो फोटो के लिए पोज दे रही हैं. वहीं, दूसरी तस्वीर में वह अपने लिए शू सिलेक्ट करने के प्रोसेस में दिखाई दे रही हैं. उन्होंने बाथरोब पहना हुआ है. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा,पांच मिनट में तैयार, मेरा प्रॉमिस है.

परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra) कि इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने कमेंट में लिखा,बहुत जलन हो रही है.. मुझे ये चाहिए !!! परिणीति के भाई शिवांग चोपड़ा ने भी कमेंट में लिखा,मुझे गर्व है. इनके अलावा, परिणीति चोपड़ा के फैंस ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किए हैं. एक फैन ने पूछा. क्या आपको यकीन है कि आपको सिर्फ 5 मिनट लगेंगे? एक अन्य फैंस को लगा कि यह सिर्फ पैसे की बर्बादी है. उसने कमेंट किया, सफेद जूतों के इतने जोड़े क्यों? बस पैसे की बर्बादी.

एक तीसरे फैंस ने मजाक में कहा, आपके पास जूतों का एक म्यूजियम है, परी.परिणीति चोपड़ा (Parineeti Chopra Films) ने लगभग दो साल के गैप के बाद, परिणीति की एक के बाद एक तीन फिल्में लगातार रिलीज हुई हैं. ये तीनों फिल्में इसी साल रिलीज हुई हैं. 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' का हिंदी वर्जन फरवरी में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ. उनकी मच अवेटेड फिल्म 'संदीप और पिंकी फरार' मार्च में रिलीज हुई.

और इसी महीने में थोड़े दिनों बाद उनकी फिल्म 'साइना'ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई. ये फिल्म साइना नेहवाल की बायोपिक थी.

आलिया भट्ट ने अपने योगा से किया सभी को हैरान, फोटो से नहीं हट रही फैंस की नजरें

वर्कआउट और हेल्थ आलिया भट्ट की हमेशा से सबसे पहली प्राथमिकता रही है. वो हमेशा पिलाटे, योगा और जिम सेशन पर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिससे पता चलता है कि वो अपनी लाइफस्टाइल को लेकर कितनी सजग हैं. आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर फिर से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो मुंबई स्थित अपने घर में वो योगा करते नजर आ रही हैं. यह तस्वीर उनके लिविंग रूम की है. आलिया भट्ट योगा मैट पर यह कठिन योगा आसन कर रही हैं. आलिया तस्वीर में लाइट ग्रे टैंक टॉप और डार्क ग्रे लैंगिग्स में हैं.

इसके पहले योगा ट्रेनर अनुष्का जो करीना कपूर, रकुल प्रीत, अनन्या पांडेय जैसी स्टार्स को ट्रेनिंग देती हैं, उन्होंने आलिया भट्ट की एक सुखासन करते हुए तस्वीर शेयर की थी. साथ ही उन्होंने मोटिवेशनल कोट भी शेयर किया था कि अपने सपनों का पीछा करने के लिए यह एक खूबसूरत दिन है. उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और लोग उनके इस योगा आसन को देखकर हैरान हैं. वहीं, अगर वर्कफ्रंट की बात करें, तो आलिया भट्ट फिल्म 'डार्लिंग' की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं. इस फिल्म को वो को-प्रोड्यूस भी कर रही हैं. उन्होंने एक बीटीएस मोमेंट शेयर करते हुए लिखा था, 'हमने फिल्म को बनाने में सबसे बेस्ट दिया है, उम्मीद है कि आप प्यार करेंगे.'

इसके अलावा आलिया भट्ट की 'आरआरआर' को भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है. इस फिल्म से आलिया साउथ में डेब्यू करेंगी. यह फिल्म इस साल अक्टूबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने कोरोना को देखते हुए फिलहाल इसके रिलीज को पोस्टपोन कर दिया है.

इसके साथ ही आलिया भट्ट की सबसे दिलचस्प प्रोजेक्ट ब्रह्मास्त्र का भी सभी को बेसब्री से इंतजार है. यह अयान मुखर्जी की ट्रायोलॉजी फिल्म है जिसमें रणबीर कपूर और अमिताभ बच्चन भी मुख्य किरदार में हैं. इसके अलावा संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी और फरहान अख्तर की जी ले जरा का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है. यह एक रोड ट्रिप बेस्ड ड्राम है जिसमें प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ भी हैं. फिल्म को फरहान अख्तर डायरेक्ट कर रहे हैं.

सपना चौधरी के गाने 'Chetak' को मिले करोड़ों व्यूज, ठेठ देसी अंदाज का चला जादू

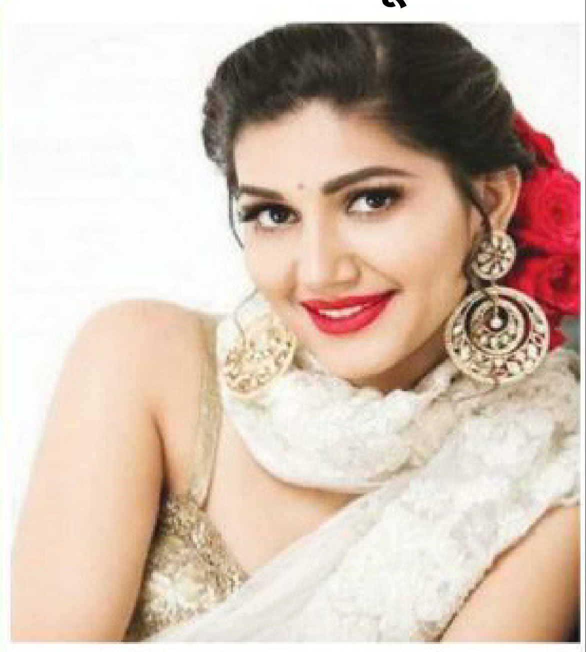

सपना चौधरी (Sapna Choudhary) ने अपने डांस और देसी अंदाज से लोगों को दीवाना बनाया है. आज सोशल मीडिया पर लाखों लोग उन्हें फॉलो करते हैं. सपना भी अपने फैंस को निराश नहीं करती हैं. वे इंस्टाग्राम पर अपनी एक से बढ़कर एक फोटोज शेयर करती रहती हैं, जिसमें उनका देसी अंदाज हर किसी का दिल जीत लेता है. एक्ट्रेस का सोशल मीडिया अकाउंट उनके डांस वीडियोज (Sapna Choudhary dance Video) से भरा हुआ है. अब उनका एक पुराना गाना (Sapna Choudhary Song) यूट्यूब पर छाया हुआ है, जिसे करोड़ों बार देखा जा चुका है.

सपना चौधरी के फैंस उनके पुराने म्यूजिक वीडियोज और डांस को यूट्यूब पर बार-बार देखते हैं. शो 'बिग बॉस' में शामिल होने के बाद उनकी लोकप्रियता में काफी उछाल देखा गया था. इसके बाद उनके वीडियोज और भी ज्यादा देखे जाने लगे थे. यही वजह है कि उनके पुराने गाने लोगों के बीच छाए रहते हैं और ट्रेंड में बने रहते हैं. सपना चौधरी का गाना 'चेतक' एक ऐसा ही गाना है, जो यूट्यूब पर छाया हुआ है.

इस गाने में सपना का देसी अंदाज खूब पसंद किया जा रहा है. यह गाना काफी पुराना है, फिर भी ट्रेंड में बना हुआ है. जाहिर है कि इसका गीत-संगीत लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. गाने में सपना के साथ मेहर रिस्की नजर आ रहे हैं. राज मावर ने इस गाने को गाया है और आकाश जांगड़ा ने इसके बोल तैयार किए हैं. इस गाने पर अब तक 14 करोड़ से ज्यादा व्यूज आ गए हैं. यह गाना 3 साल पहले 1 सितंबर 2018 को यूट्यूब पर रिलीज हुआ था.

आईसीसी टी20 रैंकिंग में विराट चौथे राहुल छठे स्थान पर बरकरार

एजेंसी ■ दुबई

भारतीय कप्तान विराट कोहली और स्टार बल्लेबाज लोकेश राहुल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजी सूची में क्रमशः चौथा और छठा स्थान बरकरार रखा है जबकि गेंदबाजी सूची में कोई भारतीय शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। इंग्लैंड के डेविड मलान बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। शीर्ष सात बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि वेस्टइंडीज के एविन लुईस एक स्थान के नुकसान से नौवें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की सूची में तबरेज शम्सी शीर्ष पर कायम हैं जबकि उनके बाद वानिंदु हसारंगा और राशिद खान का नंबर आता है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के शीर्ष गेंदबाज अनुभवी भुवनेश्वर कुमार हैं जो 12वें स्थान पर चल रहे हैं। चोटिल आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर 18वें स्थान के साथ शीर्ष 20 में शामिल एक अन्य भारतीय गेंदबाज हैं। युजवेंद्र चहल एकमात्र गेंदबाज हैं जिनकी रैंकिंग में सुधार हुआ है। वह अब 25वें स्थान पर हैं। उन्हें हालांकि टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई है। आलराउंडरों की सूची में हार्दिक पंड्या शीर्ष 20 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वह 98 अंक के साथ सूची में जगह बनाने में सफल रहे हैं। भारत ने पिछली टी20 श्रृंखला श्रीलंका में खेली थी और इसके बाद से टीम ने सबसे छोटे प्रारूप में कोई मुकाबला नहीं खेला है।

इस भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के कभी आदी नही हो सकते : डेविड मलान

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मलान का मानना है कि भारतीय गेंदबाज एक दूसरे से इतने अलग है कि कोई बल्लेबाज उन्हें खेलने का अभ्यस्त नहीं हो सकता। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारतीय तेज गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। भारत 2 .। से आगे था जब पांचवां मैच भारतीय खेमे में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद रद्द कर दिया गया। तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे मलान ने कहा कि जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज एक दूसरे से अलग हैं और जब वे साथ में गेंदबाजी करते हैं तो बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल हो जाती है। उन्होंने कहा , ए सभी काफी कठिन है। भारतीय आक्रमण के बारे में एक बात है कि वे सभी एक दूसरे से अलग है। उनके खिलाफ खेलने की आदत कभी नहीं बन सकती। एक को खेलने की आदत होती है तो दूसरा नई चुनौती पेश करता है। सभी ने श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

एक नजर

लुकाकू ने चेलसी को दिलाई जीत

लंदन। स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू के चौथे मैच में चौथे गोल की मदद से चेलसी ने चैम्पियंस लीग फुटबॉल के मैच में जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग को । . 0 से हराया। लुकाकू के गोल ने स्पष्ट कर दिया कि चेलसी ने क्यों रिकॉर्ड 135 मिलियन डॉलर खर्च करके उन्हें इंटर मिलान से अगस्त में खरीदा। बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने 69वें मिनट में रूसी चैम्पियन टीम के खिलाफ गोल दागा। इससे पहले उन्होंने एस्टोन विला के खिलाफ शनिवार को तीन गोल किए थे। एक अन्य मैच में युवेंटस ने माल्मो को 3 . 0 से हराया।

सेविला ने पहले मैच में साल्जबर्ग से ड्रॉ खेला

सेविले। दो स्पॉट किक चूकने का खामियाजा साल्जबर्ग को भुगतना पड़ा और दस खिलाड़ियों तक सिमटी सेविला ने उसे चैम्पियंस लीग फुटबॉल के पहले मैच में । .। से ड्रॉ पर रोका। साल्जबर्ग को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से एक पर ही लुका सुचिच ने गोल दागा। सेविला के लिए इवान राकिटिच ने 42वें मिनट में बराबरी का गोल किया। सेविला को 50वें मिनट के बाद दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा चूंकि स्ट्राइकर युसूफ अन नेसरी को दूसरा पीला कार्ड मिल गया था।

विलारीयाल को अटलांटा ने ड्रॉ पर रोका

विलारीयाल (स्पेन)। अटलांटा ने दस साल बाद चैम्पियंस लीग फुटबॉल में वापसी करते हुए पहले ही मैच में विलारीयाल को 2 . 2 से ड्रॉ पर रोका। यूरोपा लीग चैम्पियन विलारीयाल ने दूसरे हाफ में बढत बना ली लेकिन जल्दी ही गंवा भी दी। विलारीयाल के लिए मनु ट्रिग्यूरोस ने हाफटाइम से पहले गोल किया और दूसरे हाफ में अर्नाट ग्रोएनेवेल्ड ने गोल दागा। अटलांटा के लिए रोबिन गोसेंस और रेमो फ्रेयूलेर ने गोल किए। ग्रुप एफ के अन्य मैच में यंग ब्वायज ने मैनचेस्टर युनाइटेड को 2 .। से हराकर अप्रत्याशित जीत दर्ज की। विलारीयाल का सामना अब मैनचेस्टर युनाइटेड से जबकि अटलांटा की टक्कर यंग ब्वायज से होगी।

आईसीयू से बाहर निकले पेले

साओ पाउलो। ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले कोलोनल ट्यूमर के आपरेशन के बाद अब गहन चिकित्सा ईकाई (आईसीयू) से बाहर आ गए हैं। 80 वर्ष के पेले की हालत स्थिर है और अब वह अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल में अपने कमरे में उपचार कराएंगे। अस्पताल ने एक बयान में यह जानकारी दी। आईसीयू छोड़ने के बाद पेले ने कहा कि वह 90 मिनट और अतिरिक्त समय में खेलने को तैयार हैं। उन्होंने कहा , एक पल को भी ऐसा मत सोचना कि मेरे पास आ रहे हजारों संदेश मैने पढे नहीं हैं। हर किसी को शुक्रिया जिन्होंने मुझे सकारात्मक ऊर्जा देने के लिए अपना वक्त दिया। खूब सारा प्यार। तीन बार के विश्व कप विजेता अकेले पुरूष फुटबॉल खिलाड़ी पेले को ट्यूमर का पता तब चला था जब वह अगस्त में नियमित जांच के लिए गए थे।

आईपीएल

आईपीएल के मैचों में सीमित दर्शकों को अनुमति दी जाएगी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजकों ने बुधवार को घोषणा की कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रविवार से बहाल होने वाले टी20 टूर्नामेंट के दौरान सीमित दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। आईपीएल को मई में बायो-बबल में कई कोविड-19 पॉजिटिव मामले मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया था जो अब रविवार से बहाल हो रहा है। रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। आईपीएल के बयान के अनुसार, यह मैच महत्वपूर्ण मौका होगा क्योंकि कोविड-19 हालात से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण एक संक्षिप्त अंतराल के बाद आईपीएल स्टेडियमों में दर्शकों की वापसी का स्वागत करेगा। इसके अनुसार, मैच दुबई, शारजाह और अबुधाबी में खेले जाएंगे जिसमें कोविड-19 प्रोटोकॉल और यूएई सरकार के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए बैठने के लिए सीमित सीट उपलब्ध होंगी। वर्ष 2019 के बाद पहली बार आईपीएल दर्शकों के सामने खेला जाएगा। पिछले साल लीग यूएई में दर्शकों के बिना खेली गई थी जबकि 2021 चरण का पहला हाफ भी कड़े बायो-बबल में खेला गया था।

लीग के आयोजकों ने हालांकि प्रवेश के लिए दर्शकों की सही संख्या का जिक्र नहीं किया लेकिन सूत्रों ने कहा कि उनकी उपस्थिति स्टेडियम में दर्शकों की क्षमता का 50 प्रतिशत होगी। लीग के आयोजकों ने कहा, प्रशसंक आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईपीएलटी20 डॉट कॉम पर बचे हुए टूर्नामेंट के लिए 16 सितंबर से टिकट खरीद सकते हैं। टिकट प्लेटिनमलिस्ट डॉट नेट से भी खरीदे जा सकते हैं।

तीनों प्रारूपों में रोहित शर्मा की तरह प्रदर्शन करना चाहती हैं एलिसा हीली

एजेंसी ■ ब्रिसबेन

आस्ट्रेलिया की शीर्ष महिला क्रिकेटर एलिसा हीली ने कहा कि वह रोहित शर्मा से प्रेरणा लेकर इस भारतीय स्टार सलामी बल्लेबाज की तरह खेल के तीनों प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन करना चाहती हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज हीली भारत के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू हो रही श्रृंखला की तैयारियों में जुटी हैं। आस्ट्रेलियाई महिला टीम भारत के खिलाफ तीन वनडे, एक दिन रात्रि टेस्ट और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेलेगी। हीली ने अभी तक केवल चार टेस्ट मैच खेले हैं और उनका कहना है कि वह गुलाबी गेंद के मुकाबले को वनडे की तरह ही खेलना चाहेंगी जो कैनबरा में 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक खेला जाएगा। हीली ने श्रृंखला के लांच फाक्स क्रिकेट कार्यक्रम में कहा, यह (गुलाबी गेंद का टेस्ट) पेचीदा होगा क्योंकि मैंने सिर्फ चार टेस्ट मैच ही खेले हैं इसलिए मैं यह नहीं कहूंगी कि मैं टेस्ट मैच में खेलने के लिए सहज हूं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरी बात है तो इस टेस्ट में मेरी वनडे बल्लेबाजी से ज्यादा कुछ बदलाव नहीं होने वाला है।

मुझे लगता है कि खुद को और ज्यादा समय देना (बल्लेबाजी के लिए) शानदार है। उन्होंने कहा, आधुनिक टेस्ट मैच को देखें तो यह काफी बदल गया है। मैं रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी से प्रेरणा लेती हूं जो दुनिया के सफेद गेंद के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं, फिर भी वह टेस्ट क्रिकेट में वास्तव में सफल सलामी बल्लेबाज हैं। सफेद गेंद के क्रिकेट में दबदबा बनाने के बाद भारतीय सीमित ओवर की टीम के उप कप्तान रोहित ने लाल गेंद के प्रारूप में भी अपनी काबिलियत साबित की है। बल्लेबाजी की शुरूआत करते हुए रोहित ने भारतीय टीम के आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के दौरे के दौरान अहम भूमिका अदा की। हीली ने कहा, इसलिए मैं उनकी (रोहित) तरह खेलना चाहती हूं कि वह सभी प्रारूपों में किस तरह से अपने कौशल से शानदार बल्लेबाजी करते हैं तो मैं सोचती हूं कि मैं किस तरह उनकी तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं? भारत के खिलाफ श्रृंखला के बारे में बात करते हुए हीली ने कहा, भारतीय टीम काफी खतरनाक है क्योंकि उनकी टीम के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती और हम कुछ चीजें उनके बारे में नहीं जानते।

उन्होंने ऐसी कुछ नई खिलाड़ियों को चुना है जिन्हें हमने इस दौरे से पहले कभी नहीं देखा है। उन्होंने कहा, इसलिए वे हमेशा हमारे सामने नई खिलाड़ी को उतारना पसंद करते हैं भले ही वह पूनम यादव हो जो हमारे खिलाफ हमेशा कुछ अलग गेंदबाजी करती है।

सेंट लूसिया किंग्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स सीपीएल फाइनल में

एजेंसी ■ बासेटेरे

सेंट लूसिया किंग्स और सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने अपने अपने सेमीफाइनल मैचों में रोमांचक जीत दर्ज करके कैरेबियाई प्रीमियर लीग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। पैट्रियट्स ने गयाना अमेजन वारियर्स को सात विकेट से हराया जबकि किंग्स ने गत चैम्पियन ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को 21 रन से शिकस्त दी। पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। वारियर्स के लिए शिमरोन हेटमाएर (नाबाद 45) के अलावा कोई बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सका। टीम ने नौ विकेट पर 178 रन बनाए। स्पिनर जोस रूस जागेसर और फवाद अहमद ने दो दो विकेट लिए।हेटमाएर ने 20 गेंद में 45 रन बनाए जिसमें से 25 रन पारी के आखिरी ओवर में बने। जवाब में पैट्रियट्स के लिए क्रिस गेल ने 27 गेंद में 42 रन बनाए जबकि एविन लुईस ने 39 गेंद में नाबाद 77 रन की पारी खेली। पैट्रियट्स ने 13 गेंद बाकी रहते मैच जीता। दूसरे सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए किंग्स ने मार्क दयाल के 78 रन की मदद से चार विकेट पर 204 रन बनाए। नाइट राइडर्स की शुरूआत अच्छी रही लेकिन डेविड वीसे की शानदार गेंदबाजी के आगे उसके बल्लेबाज टिक नहीं सके। वीसे ने 39 रन देकर पांच विकेट लिए।

तालिबान से बचकर पाकिस्तान पहुंची अफगानिस्तानी महिला फुटबॉलर

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

अफगानिस्तान की 32 महिला फुटबॉल खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ पाकिस्तान पहुंच गई हैं जिन्हें तालिबान से धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्हें निकालने के लिए सरकार द्वारा आपात मानवीय वीजा जारी किए जाने के बाद ए फुटबॉलर पाकिस्तान पहुंची। राष्ट्रीय जूनियर बालिका टीम की इन खिलाड़ियों को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कतर जाना था जहां अफगान शरणार्थियों को 2022 फीफा विश्व कप के एक स्टेडियम में रखा गया है। लेकिन काबुल हवाईअड्डे पर 26 अगस्त को हुए एक बम धमाके के कारण वे ऐसा नहीं कर सकीं जिसमें 13 अमेरिकी और कम से कम 170 अफगान नागरिकों की मौत हो गई थी। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के लिए तालिबान से धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। इस रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद ए खिलाड़ी तालिबान से बचने के लिए छुपती फिर रही थीं। ब्रिटेन के एक गैर सरकारी संगठन फुटबॉल फॉर पीस ने सरकार और पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (जो फीफा से मान्यता प्राप्त नहीं है) की मदद ने इन 32 खिलाड़ियों को पाकिस्तान लाने की शुरूआत की। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैनटिनो पिछले हफ्ते दोहा यात्रा के दौरान अफगानिस्तानी शरणार्थियों से मिले थे। लेकिन फीफा की इस बात के लिए आलोचना की गई थी।

वर्तमान पर फोकस करने से तोक्यो में मदद मिली : उदिता

एजेंसी ■ बेंगलुरू

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता का मानना है कि वर्तमान पर फोकस करने से उनकी टीम को तोक्यो ओलंपिक में शुरूआती नाकामियों से उबरकर इतिहास रचने में मदद मिली। भारतीय महिला हॉकी टीम तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही जिसने क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया। उदिता ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा , मुझे लगता है कि पहले तीन मैचों में मिली हार के बाद वर्तमान पर फोकस करने से ही हम वापसी कर सके। इससे हमें आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराने में भी मदद मिली और हमने तोक्यो में इतिहास रच डाला। अपने ओलंपिक अनुभव के बारे में उन्होंने कहा , एक युवा खिलाड़ी के तौर पर हमने इस ऐतिहासिक अभियान से बहुत कुछ सीखा। हमने जाना कि दबाव का सामना कैसे किया जाता है और कैसे वर्तमान पर फोकस करने से मदद मिलती है।

आईपीएल | आईपीएल 19 सितंबर से यूएई मे बहाल होगा।

यूएई में आईपीएल से टी20 विश्व कप में मुकाबला थोड़ा बराबरी का हो जाएगा : मैक्सवेल

एजेंसी ■ दुबई

आस्ट्रेलिया के स्टार आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि यूएई में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन से इन्हीं स्थलों पर अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए मुकाबला थोड़ा बराबरी का हो जाएगा। आईपीएल 19 सितंबर से यूएई में बहाल होगा। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण इसे मई में बीच में स्थगित कर दिया गया था। आईपीएल समाप्त होने के बाद 17 अक्टूबर से टी20 विश्व कप का आयोजन भी यूएई में ही होगा। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की तरफ से खेलने वाले मैक्सवेल ने आईसीसी-क्रिकेट.कॉम से कहा, यूएई में टूर्नामेंट के आयोजन से मुकाबला थोड़ा बराबरी का हो गया है। उन्होंने कहा, शायद इससे चीजें थोड़ा आसान हो जाती हैं क्योंकि वहां घरेलू मैदान जैसा फायदा नहीं मिलेगा। आईपीएल वहां खेला जा रहा है जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग लेंगे जो बाद में विश्व कप में भी खेलेंगे इसलिए मुझे लगता है कि परिस्थितियां सभी के लिए समान होंगी। आस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ी जैसे स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, पैट कमिन्स आदि पिछले कुछ समय से नहीं खेले हैं लेकिन वे आईपीएल में मैदान पर वापसी करेंगे। मैक्सवेल ने कहा कि आईपीएल में खेलने से आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को विश्व कप की तैयारियों में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हमारे कई खिलाड़ी आईपीएल में खेलेंगे और उन्हें यहां तैयारी का अच्छा मौका मिलेगा। उन्हें इन परिस्थितियों में कुछ मैच खेलने को मिलेंगे। यह हमारे बल्लेबाजों के लिए बहुत अच्छा होगा। मैक्सवेल ने कहा, जब तक टूर्नामेंट शुरू होता है तब तक हमारे गेंदबाज पूरी लय में लौट आएंगे। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि प्रत्एक यहां खेलने के लिए बेताब है। आस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज, विश्व की नंबर एक टीम इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ एक ग्रुप में रखा गया है।

अपने कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में आस्ट्रेलिया को हाल में वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ छह मैचों से केवल एक में जीत मिली लेकिन मैक्सवेल को पूरा विश्वास है कि बड़े टूर्नामेंट में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। मैक्सवेल ने कहा, हम सभी इसके लिए तैयार है।

जमीनी स्तर पर हैंडबॉल को बढ़ावा देने के लिए 240 करोड़ रूपए निवेश का वादा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आगामी प्रीमियर हैंडबॉल लीग (पीएचएल) के लाइसेंसधारक ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए 240 करोड़ रूपए के निवेश का वादा किया और उनके इस प्रस्ताव का राष्ट्रीय महासंघ ने स्वागत किया है। कंपनी ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में पुरुष और महिलाओं दोनों के हैंडबॉल के विकास में तेजी लाने के लिए इस धन का उपयोग करेगी और उसका लक्ष्य न केवल अभिजात वर्ग के स्तर पर बल्कि जमीनी स्तर पर भी इस खेल को बढ़ावा देना होगा। ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह संस्थापक मनु अग्रवाल ने कहा, एक पेशेवर हैंडबॉल लीग और उसके विपणन के अलावा हम विभिन्न रणनीतिक सहयोगों और विशेष रूप से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ भारत में हैंडबॉल से जुड़े बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए तैयार किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से जमीनी स्तर पर खेल को विकसित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण पर भी विचार कर रहे हैं। भारतीय हैंडबॉल महासंघ ने उनके सहयोग का स्वागत किया। महासंघ के कार्यकारी निदेशक आनंदेश्वर पांडे ने कहा, हैंडबॉल पर वैश्विक स्तर पर काफी निवेश किया जाता है और यह खेल लोकप्रियता और व्यावसायिक रूप से काफी विकास कर चुका है। उन्होंने कहा, हम भारत में काफी वर्षों से इस खेल के विकास के लिए तेजी से काम कर रहे हैं और हमारा मानना है कि ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट के इस निवेश से इस प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी।